RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-04, अंक - 01 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 07 अक्टूबर 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

यदि आप इसलिए रोते है कि कोई सूरज आपके जीवन से बाहर चला गया है, तो आपके आंसू आपको सितारों को देखने से भी रोकेंगे।

रविन्द्रनाथ टेगोर

'निष्पक्षता, निडरता और साहसिक सच लिखने के सफलतम 3 वर्ष पूर्ण'

माही की गूंज, झाबुआ।

'खींचो न कमान को न तलवार निकालो, जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो'।

जिले की पत्रकारिता जगत के भीष्म पितामह आदरणीय यशवंत जी घोड़ावत की प्रेरणा से प्रारंभ किए गए आपके अपने अखबार ''माही की गूंज'' अपने सफलतम तीन वर्ष पूर्ण कर चौथे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। निश्चित रूप से यह एक पड़ाव भर है... मंजिल नहीं... लेकिन फिर भी आज के इस इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया के इस दौर में अखबार निकालना टेड़ी खीर है... कठिन है। लेकिन पाठकों के स्नेह और बेबाकी के साथ...सच लिखने के साहस ने इस काम को बखूबी अंजाम दिया है, यही कारण है देखते ही देखते इस अखबार के तीन वर्ष पूर्ण हो गए।

इन तीन वर्षों में इस अखबार ने न केवल अपने जिले में एक विशिष्ट पहचान बनाई, बल्कि जिले की सीमा से इतर अन्य जिलों तथा समीप के अन्य राज्यों में भी अपनी पैठ बनाई है। आलम यह है कि, प्रति सप्ताह गुरूवार को पाठकों को ''माही की गूंज'' का बेसब्री से इंतजार रहता है। वैसे तो तीन वर्षों का समय बहुत ज्यादा नहीं होता है लेकिन झाबुआ जिले में रहकर तीन वर्ष तक निर्बाध व नियमित रूप से अखबार का प्रकाशन बहुत बड़ी बात है।

''माही की गूंज'' का भी 1000 दिनों से ज्यादा का सफर कई उतार-चढ़ाव वाला रहा है। इन तीन वर्षों में हमने न केवल समाज के अंतिम व्यक्ति के हक के लिए आवाज उठाई है वरन माफिया... भ्रष्टाचारी... अवैध कारोबारी... के खिलाफ सच को आम जनता के सामने रखा है। यही नहीं सरकार और जनप्रतिनिधियों को भी आईना दिखाने में ''माही की गूंज'' ने कभी संकोच नहीं किया। पिछले 3 वर्षों के दौरान ''माही की गूंज'' की कलम को न केवल खरीदने के कई प्रयास हुए, वरन साम-दाम-दंड-भेद जैसे कई अन्य प्रयास इस कलम की धार को कुंद करने के प्रयास असफल हुए।

इन तीन वर्षों के दौरान ''माही की गूंज'' द्वारा हर उस मुद्दे को पूरे जोर-शोर से उठाया गया जो जनता के हितों से जुड़ा था। इस दौरान न केवल प्रलोभन दिया गया वरन एट्रोसिटी एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करने की धमकियां भी दी गई। यही नहीं मानहानि और महिला से छेड़छाड़ के झूठे मुकदमे तक डालने का असफल प्रयास किया। लेकिन पाठकों के विश्वास और प्रेम ने हमें ताकत और ऊर्जा प्रदान की जिससे दुगने उत्साह के साथ अन्याय व शोषितों के खिलाफ अपनी पैनी निगाह व कलम के साथ सच को आम जनता के सामने रख रहे हैं। इस दौरान कई बार प्रशासन द्वारा उठाए गए मुद्दों को प्रशासन ने स्वीकार किया और उस पर कार्रवाई की गई।

पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोगी, पाठकों व संवाददाताओं सहित पूरी टीम ने जिस प्रकार ''माही की गूंज'' को नई ऊंचाइयां प्रदान की है उन सभी का ''माही की गूंज'' परिवार धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त करता है। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा इन्हीं अपेक्षाओं के साथ आप सभी को एक बार पुनः ''माही की गूंज'' यह विश्वास दिलाती है कि, लोकतंत्र की मूल भावनाओं के साथ यह कलम न दबेगी... न बिकेगी.... और न ही थकेंगी... इन्हीं शुभकामनाओं के साथ एक बार पुनः आप सभी का आभार...

माहीं की गूंज, मॉ शारदेय भवानी की असीम कृपा से अपने चौथे वर्ष में कदम रख रहा है आप सभी पाठको... शुभचिंतको... विज्ञापनदाताओ... एवं समस्त देशवासीयों को नवरात्री की हार्दिक शुभकामनाए...

अलका भटेवरा
मुद्रक, प्रकाशक

कांग्रेस मुक्त भारत या कांग्रेस युक्त भाजपा

माही की गूंज झाबुआ, संजय भटेवरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने कांग्रेस मुक्त भारत का आह्वान किया था, जिसे भाजपा नेताओं ने कांग्रेस युक्त भाजपा, ठीक उसी प्रकार सुन लिया जिस प्रकार जैन संत ने समाजजनों से ब्याज न खाने का आह्वान किया था और उसे समाज के लोगों ने प्याज न खाना सुनकर प्याज खाना छोड़ दिया।

कुछ इसी प्रकार का भाजपा में चल रहा है, लगातार कांग्रेसी नेताओं के बीच भाजपा में शामिल होने की होड़ लगी है, उससे देश शायद कांग्रेस मुक्त हो या न हो भाजपा जरूर कांग्रेश युक्त हो जाएगी।

दल-बदल का खेल भी विशेष मौसम में होता है और चुनाव का समय इसके लिए सर्वोत्तम होता है। प्रदेश की एक लोकसभा और तीन विधानसभा के उपचुनाव की घोषणा होते ही चुनावी क्षेत्रों में नेताओं की सक्रियता बढ़ गई है। हाल ही में जोबट विधानसभा में पूर्व मंत्री रही सुलोचना रावत और उसके पुत्र विशाल रावत के अचानक आधी रात को भाजपा में शामिल होना कहीं न कहीं यह दर्शा रहा है कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। कांग्रेस की ओर से भी सुलोचना रावत टिकट की प्रबल दावेदार थी लेकिन कहीं न कहीं आशंकित भी थी कि यदि टिकट ना मिला तो...? शायद इसीलिए भाजपा की ओर से टिकट या कुछ बेहतर का ठोस आश्वासन मिलने पर दोनों मां-बेटों ने पाला बदलने में देर नहीं कि और सुबह होने का इंतजार भी नहीं किया और आधी रात को भाजपा की सदस्यता ले ली।

कुछ इसी प्रकार का 2003 में भी हुआ था जब तात्कालीन कांग्रेस नेता माधोसिंह डाबर ने भाजपा की ओर से टिकट की ग्यारंटी मिलने पर तत्काल पाला बदल दिया था। उस वक्त तो यहां तक कहा गया था पहले भाजपा की ओर से टिकट घोषित किया गया था उसके बाद माधोसिह डाबर ने भाजपा की सदस्यता ली।

अब आगे क्या...?

राजनीति में कब क्या हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है, हालांकि इस घटनाक्रम के बाद भाजपा में अवश्य कुछ बढ़त बना ली है लेकिन राजनीति में कुछ भी हो सकता है कि आने वाले कुछ दिनों में भाजपा के कुछ लोग अपने पार्टी से नाराज हो जाए और वे अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से पार्टी को नुकसान पहुंचाए। अभी फिलहाल तो यही लग रहा है कि आने वाला चुनाव कांग्रेश वर्सेस कांग्रेस ही होने जा रहा है। भले ही भाजपा की ओर से माधोसिंह डावर, रावत परिवार को टिकट मिले दोनों ही मूल रूप से तो कांग्रेसी ही है। जोबट क्षेत्र की जनता की ओर से मिले फिड बैंक के आधार पर तो यही कहा जा सकता है कि क्षेत्र की जनता में माधोसिह डावर की छवि भी साफसूथरी है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उन पर चार-पांच नेताओं के बीच ही घिरे रहने के आरोप भी लगे हैं और उनके बारे में यह भी कहा जाता है कि उन्होंने किसी का भला नहीं किया तो बुरा भी नहीं किया है। वहीं अगर भाजपा रावत परिवार से किसी को टिकट देती है तो पार्टी के अंतर्विरोध से निपटना उनके लिए बड़ी चुनौती होगा। पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता और जमीनी नेताओं को अपने लिए वोट मांगने के लिए (जिसका विरोध वर्षों से करते आए हो) दोनों मां-बेटे के लिए टेढी खीर साबित होगा। लेकिन कहते हैं कि यह राजनीति है इसमें न कोई स्थाई दुश्मन होता है न ही स्थाई दोस्त यहां सब कुछ जायज है।

कांग्रेस ने जताया महेश पटेल पर विशवास

जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है उन्होंने महेश पटेल के रूप में अपना उम्मीदवार तय कर लिया है लेकिन जोबट के स्थानीय नेताओं को विश्वास में लेकर उन्हें अपने प्रचार के लिए मनाना टेढ़ी खीर साबित होगा। स्थानीय नेताओं की मांग थी कि, उम्मीद्वार अलीराजपुर क्षेत्र से नहीं जोबट क्षेत्र का होना चाहिए। इसी बीच खबर यह भी चली थी कि कांग्रेस विक्रांत भूरिया को भी मैदान में उतार सकती है, लेकिन पार्टी ने महेश पटेल पर भरोसा जताया है। इस पूरे घटनाक्रम में एक बात साफहो गई है की जिले पर कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद व वर्तमान में झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया की पकड़ कमजोर होती जा रही है। यही नहीं उनकी राष्ट्रीय स्तर के नेता की छवि भी धूमिल होती जा रही है, वे अपना घर संसदीय क्षेत्र ही नहीं संभाल पा रहे हैं उनके क्षेत्र में ही जमीनी नेता व वर्षों से पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ता भी पार्टी छोड़कर जा रहे हैं।

सिंधिया की सरकार पर मजबूत पकड़

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की शिवराज सरकार पर पकड़ लगातार मजबूत होती जा रही है। हालांकि भाजपा ने अभी अपना उम्मीद्वार (समाचार लिखने तक) घोषित नहीं किया है लेकिन माही की गूंज के सूत्रों के हवाले से पुख्ता खबर है कि, टिकट सुलोचना रावत को ही मिलेगा। क्योंकि पूरे प्रकरण में जिले के प्रभारी मंत्री और ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए राजवर्धन सिंह दतिगांव की मुख्य भूमिका रही है, वर्षो से कांग्रेस के लिए कार्य करने वाले रावत परिवार को भाजपा में लाने का श्रेय उन्हीं को जाता है। यह सब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के हस्तक्षेप से हुआ है यह तय है और टिकट वितरण में भी सिंधिया की मुख्य भूमिका है। टिकट के अन्य दावेदार माधोसिंह डाबर को पूर्ण सम्मान देने की बात पर फिलहाल तो मना लिया गया है और वे अपने धुर विरोधी सुलोचना रावत के साथ झाबुआ में मुख्यमंत्री के साथ एक मंच पर भी आ चुके है। सियासत में अपने-अपने मोहरे सब चलाते हैं लेकिन बाजी तो आम जनता की अंतिम चाल पर पलटती है। जनता अपनी अंतिम चाल 30 अक्टूबर को चलेगी अब ऊंट किस करवट बैठेगा यह तो 2 नवंबर को ही पता चलेगा कि किस दल की धनतेरस उत्साह के साथ बनेगी और किस दल की मायूसी के साथ।

लखीमपुर कांड का इस्तेमाल कर कांग्रेस की डूबती नैया को बचाने का प्रयास कर रहे राहुल गांधी - संबित पात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। लखीमपुर खीरी में हुई किसानों की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच भाजपा ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पर संवेदनशील मुद्दों पर भी गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। बीजेपी ने इसे 'कांग्रेस की डूबती नैया' को बचाने के लिए मौके की तरह इस्तेमाल कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में संवाद सम्मेलन में कहा, ''राहुल गांधी ने पुनः वही किया जो वह हर बार करते हैं। गैर जिम्मेदाराना रवैया... गैर जिम्मेदाराना रवैया राहुल गांधी का दूसरा नाम हो गया है। शांति भंग करना और भ्रम फैलाना यही राहुल गांधी का मुख्य उद्देश्य रह गया है।

भाजपा की यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी के लखीमपुर खीरी के लिए रवाना होने से पहले राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में किए गए संवाददाता सम्मेलन के बाद आई।

राहुल गांधी ने लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा, प्रियंका गांधी वाद्रा को हिरासत में लिए जाने और पार्टी के कुछ अन्य नेताओं को उत्तर प्रदेश में जाने से रोके जाने की पृष्ठभूमि में दावा किया कि भारत में लोकतंत्र हुआ करता था, लेकिन अब तानाशाही है। उन्होंने बताया कि वह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के साथ लखीमपुर खीरी जाकर पीड़ित परिवारों से मिलने का प्रयास करेंगे। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि राहुल गांधी का किसानों, व्यापारियों या देश के किसी अन्य वर्ग से कोई लेना -देना नहीं है, बल्कि उनका मकसद गांधी परिवार को बचाना है। उन्होंने कहा, ''गांधी परिवार का किसी से लेना-देना नहीं है। कांग्रेस से भी लेना देना नहीं है। उनका केवल अपने परिवार से ही लेना-देना है।

चीन की तरह भारत में भी आएगा बिजली संकट...? 64 बिजली संयंत्रों के पास 4 दिन से भी कम का कोयला भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन से पहले देश में कोयला संकट बढ़ता जा रहा है। अगर कोयले का संकट देश में और गहराया तो फिर आपके घरों की बिजली भी गूल हो सकती है। दरअसल, देश में खानों से दूर स्थित (नॉन-पिटहेड) 64 बिजली संयंत्रों के पास चार दिन से भी कम का कोयला भंडार बचा है। कोयला खानों से दूर स्थित बिजली संयंत्रों को नॉन-पिटहेड कहते हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इन बिजली उत्पादन केंद्र में कोयले का स्टॉक खत्म हो रहा है और आने वाले तीन-चार दिनों में पूरा स्टॉक ही खत्म हो जाएगा।

केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईए) की बिजली संयंत्रों के लिए कोयला भंडार पर ताजा रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि 25 ऐसे बिजली संयंत्रों में तीन अक्टूबर को सात दिन से भी कम समय का कोयला भंडार था। कम से कम 64 ताप बिजली संयंत्रों के पास चार दिनों से भी कम समय का ईंधन बचा है। सीईए 135 बिजली संयंत्रों में कोयले के भंडार की निगरानी करता है, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता दैनिक आधार पर 165 गीगावॉट है। कुल मिलाकर तीन अक्टूबर को 135 संयंत्रों में कुल 78 लाख 9 हजार 2 सौ टन कोयले का भंडार था, और यह चार दिन के लिए पर्याप्त है। रिपोर्ट में बताया गया कि, 135 संयंत्रों में से किसी के भी पास आठ या अधिक दिनों का कोयले का भंडार नहीं था। हालांकि, सरकार का कहना है कि, दो-तीन दिनों में कोयले की आपूर्ति कर दी जाएगी। बता दें कि भारत में बिजली उत्पादन के लिए सबसे अधिक कोयले का ही इस्तेमाल होता है।

रेप का विरोध किया तो पेट्रोल डालकर लगा दी आग

नई दिल्ली। कर्नाटक के यादगीर जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है जिसमें एक आदमी ने रेप का विरोध करने पर महिला पर पेट्रोल छिड़कर उसे जला दिया, महिला का 95 प्रतिशत शरीर झुलस गया और उसकी मौत हो गई।

आरोपी की पहचान गंगप्पा-बसप्पा के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर सुरपुर तालुका में पीड़िता के घर में घुस गया और रात करीब 2 बजे उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश करने लगा।

पीड़िता ने जब रेप का विरोध किया तो आरोपी ने उसके ऊपर पेट्रोल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया. पीड़िता 95 प्रतिशत झुलस गई।

इस मामले का पता तब चला जब महिला सुबह घर से बाहर नहीं आई. पुलिस ने बताया, ÷आरोपी ने आधी रात में महिला के साथ बलात्कार करने की कोशिश की। महिला ने इसका विरोध किया। इसके बाद आरोपी ने बाहर जाकर अपनी बाइक से पेट्रोल निकाला और महिला को आग लगा दी।

कुन्दन बनाम काका.... बनाम हठ की पत्रकारिता

माही की गूंज, थांदला।

कुन्दन को जानने वाले असंख्य लोगों में से कितने उन्हें कुन्दन के नाम से तो कितने काका के नाम से संबोधित करते थे। इसका ठीक-ठाक आंकलन तो कभी हो नहीं पाएगा। लेकिन यह तय है कि, अधिकांश लोग उन्हें कुन्दन (सोना) के बजाय काका (सबसे सस्ता रिश्ता) के नाम से ही बुलाते थे। इस संबोधन में वे (दोनों पक्ष) न केवल धनिष्ठता का अपितु एक जिम्मेदारी का भी सीधा अहसास करने लग जाते थे और मिठास तो खैर इस संबोधन में थी ही।

सर्वपतृ अमावस्या पर चांद तो होता ही नहीं, इस दिन के सूर्य के आगमन की सूचना देने वाली स्वर्ण आभा वाली किरणों का जैसे ही आगमन शुरू हुआ, भीलांचल को इस अद्भुत पत्रकार ने महाप्रयाण कर लिया।

कुन्दन का झाबुआ जिले की पत्रकारिता में बिरला स्थान था, मैदानी पत्रकार का। वे जिले के एक-एक पत्रकार को केवल नाम से, किस अखबार का, कहां से प्रतिनिधि है, इतना भर नहीं वे यह भी जानते थे, इस पत्रकार का घर, उसके खुद के गांव में, शहर में कहां है, यह तक जानते थे। कई बार ऐसा हुआ हमें किस पत्रकार के घर जाना है, बस इतना बता दो, कुन्दन काका गाड़ी लेकर सीधे उसके घर खड़ी कर देते थे। जिले में एक भी पत्रकार यशवंत जी घोडावत के बाद वर्तमान मे इस मायने मे उनके समकक्ष नहीं था। सभी पत्रकार संगठन उनके इस इगन का, इस अद्भुत रिश्ते का भरपूर उपयोग करते थे। इस कारण उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान करने की जिम्मेदारी स्थाई तौर पर दी जाती थी, और एक भी पत्रकार कार्यक्रम के स्मृति चिन्ह से वंचित नहीं रहता। कुन्दन को लाखों किलोमीटर गाडियां चलाने का भी अनुभव था। वे गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र के कई अल्पइगत रास्तों से अच्छी तरह से अवगत थे। हमें कहां अच्छा जलपान इन रास्तों पर मिलेगा, यह तक वे भलिभांति जानते थे। उनकी ये जानकारियां पत्रकारों के दुःख-सुख में रिश्ते बनाए रखने में हमेशा हमारे काम भी आती रही। उनकी पत्रकारिता, जीवनशैली, उनके ही कई परिचितों को, करीबियों को स्वीकार नहीं भी होती थी, पर वे इन विषयों पर प्रायः वाद-विवाद नहीं करते थे, अपितु अपने रिश्तों को बनाए रखने पर ज्यादा ध्यान देते थे। वे रिश्तों को कुछ देर के लिए विश्राम देकर फिर से उतने ही करीब, उतने ही प्रिय, उतने ही महत्वपूर्ण बन जाते थे यह उनकी अपनी बिरली शैली थी।

स्मृति शेष...

उनका केवल एक ही नायक था 'अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद

आजाद के लिए उन्होंने पूरे उत्तरप्रदेश की यात्रा कर डाली थी। आजाद के परिवारजनों, मित्रों, सेनानियों को खोज निकाला, उन्होने साक्षात्कार किए, और तथ्यमात्मक रूप से यह सिद्ध कर दिया की आजाद का जन्म तत्कालीन झाबुआ जिले के भाबरा में ही हुआ था। उनके इस योगदान के चलते भाबरा का नाम चंद्रशेखर आजाद नगर है। वे आजाद की जन्मतिथि, शहादत तिथि पर भाबरा पहुंचते थे। पत्रकारों के आयोजन, सम्मेलन की रूपरेखा पर भी जब चर्चा होती उनका सुझाव अर्थात केवल भाबरा ही होता था। वे अपनी मूंछे भी हमेशा चंद्रशेखर आजाद की स्टाइल में ही रखते थे। लक्ष्मी की नाराजी तो उन पर जीवन पर्यन्त ही रही। अगर थोड़ी लक्ष्मी आ भी गई तो वह ज्यादा देर उनके पास टिकती भी नहीं थी। तब भी उनके पास पैसा नहीं था, जब वे आजाद की जन्मस्थली को लेकर तथ्य जुटाने हजारों किलोमीटर की यात्रा पर निकल पड़े थे। वे साहसी भी इतने ही थे। राजस्थान के किसी गांव में वे यायावरी कर रहे थे, अचानक उस गांव के कुछ बच्चें जलाशय में डूबने लगे कुन्दन वहीं कहीं आसपास थे, उन्होंने तुरंत जलाशय में छलांग लगा दी, और सभी को सुरक्षित निकाल लिया। गांव वालों ने उनका खूब सम्मान किया। प्रशासन ने अलग से सम्मान किया। इस सम्मान से कुन्दन ऐसे शर्माएं कि कुछ दिनों में ही वापस थांदला आ गए। हठ की पत्रकारिता करते हुए इस हालत में पहुंच गए थे कि लगभग 45 वर्ष तक की गई घोर पत्रकारिता की एक मात्र पूंजी आजाद भूमि को उन्होंने एक मित्र को भेंट कर दी थी। तब उन्होंने कहा भी था, संकट, समस्या, मेरी अपनी है, पर मैं आजाद को बेच नहीं सकता।

अलविदा कुन्दन काका अपने चाहने वालों को तुम हमेशा याद आते रहोंगे।

काका की कमी सदैव खलेगी, बड़ी संख्या में पत्रकारों ने दी अंतिम विदाई

माही की गूंज।

काका के नाम से प्रसिद्ध कुंदन अरोडा वरिष्ठ पत्रकार जिन्होंने 70 के दशक में साइकिल से अखबार बाट कर अपनी पत्रकारिता की शुरूआत की और थांदला के साथ पूरे जिले में ऐसा ढंका बजाया की जिले का नाम प्रदेश और देश मे प्रखर किया। बीती रात कई मित्रो ओर साथियों के साथ देर रात साथ रहे और सुबह 5 बजे सीने में उठे एक दर्द ने पत्रकारिता के इस सितारे को हम से छीन लिया। इलाज के लिए उन्हे मेघनगर के एक निजी अस्पताल भी ले जाया गया लेकिन उपचार के दौरान उनकी सांसों ने उनका साथ छोड़ दिया। बुधवार शाम को नोगामा नदी मुक्ति धाम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहॉ समाजजनो सहित नगर के गणमान नागरिको सहित नगर व जिले के पत्रकारों ने उनको अंतिम विदाई दी। वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र कांकरिया, वीरेंद्र भट्ट, निर्भर सिंह ठाकुर , भूपेंद्र नायक, मनोज चतुर्वेदी, जिला पत्रकार संघ अध्यक्ष संजय भटेवरा, राजेश वैध, अक्षय भट्ट, मोहन संघवी ,मनोज जानी, हरीश यादव, संजय लोढ़ा, राकेश गेहलोत , आत्माराम शर्मा, मुकेश अहिरवार, मनोहर डोडिया, मनोज उपाध्याय, राजेश डामर, तन्मय चतुर्वेदी सहित जिले भर के पत्रकारो ने उपस्थित हो श्रद्धांजलि अर्पित की।

शराब माफिया अलकेश बाकलिया के गुर्गों का नाम बयान के बाद भी एफआईआर में दर्ज नहीं

बयानकर्ता ने एसपी को की शिकायत, मामला देवझिरी में पकड़ी गई शराब का

माही की गूंज,झाबुआ।

शराब माफियाओ व पुलिस की सांठ-गांठ किस स्तर की है यह एक बार फिर सामने आ गई। 29 जून को झाबुआ पुलिस ने 480 नग 52 बियर टिन का मामला दर्ज कर एक आरोपी के साथ मारुति वैन को जब्त की थी। उक्त मामले में माही की गूंज ने शुरू में ही खुलासा किया था कि, अलकेश बाकलिया के गुर्गों का हाथ है। पुलिस ने एक आरोपी की गिरफ्तारी के साथ मनोज पिता गेंदालाल भटेवरा निवासी छापरी को फरार बताया था, जो अभी स्वयं पेश होकर 27 दिन जेल में रहकर बाहर आया। लेकिन मनोज भटेवरा ने मामले में पेश होते समय पुलिस को पुख्ता जानकारी देते हुए बयान दिए थे कि, कालीदेवी शराब दुकान का मैनेजर मनोज सिंह शराब देवझिरी तक लाया और देवझिरी से झाबुआ क्षेत्र में झाबुआ शराब मैनेजर शंकर सिंह नायक ने अपने आदमी के साथ शराब लेकर ढोई थी।

जबकि मौके पर मनोज नहीं था तथा मनोज के यहां काम करने वाला गोलू मारुति वेन लेकर खाली गया था। लेकिन पुलिस ने खाली वाहन कार में शराब जब्त होना बताकर मामला दर्ज किया।

आरोपित मनोज भटेवरा के बयान के बाद भी अलकेश बाकलिया के गुर्गे मनोज सिंह व शंकर नायक के विरुद्ध एफआईआर में नाम दर्ज नहीं होने के बाद जेल से जमानत पर रिहा हुए मनोज ने उक्त मामले में एसपी झाबुआ को 1 अक्टूबर को लिखित में शिकायत कर मामले में मुख्य आरोपी मनोज सिंह, शंकर नायक के विरुद्ध कार्रवाई के संबंध में रिपोर्ट दर्ज की। उक्त शिकायत के बाद अलकेश बाकलिया के गुर्गे व मुकेश नायक अपने ठेकेदार उर्फमाफिया की दबंगई इतने बड़े स्तर पर है सिद्ध करते हुए अपने स्टाफके मध्य कह रहे हैं।

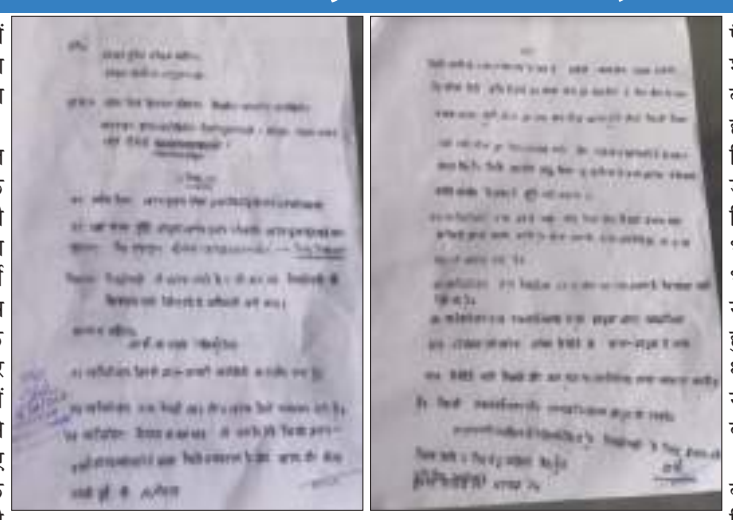

आरोपित मनोज भटेवरा ने एसपी को नामजद अलकेश बाकलिया के गुर्गे मनोज सिंह व शंकर नायक के विरुद्ध की शिकायत।

जिले में और पुलिस थाने के चपरासी से लेकर एसपी तक व उनके ऊपर भी सभी को पैसा देते हैं और शराब का कारोबार करते हैं तो हमारे व हमारे व्यक्तियों के खिलाफएसपी क्या उसके ऊपर तक शिकायत करते तो भी हमारा कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता यह कहते हुए अपने गुर्गों सें क्षेत्र में शराब सप्लाई करने की बात कह रहे हैं।

मामले में माही की गूंज ने 2 सितंबर के अंक में÷क्या शराब माफिया अलकेश बाकलिया के गुर्गे के विरुद्ध अब होगी एफआईआर दर्ज...?''देवझिरी में पकड़ी शराब में आरोपित ने दिये बयान, काली देवी से मैनेजर मनोज सिंह ने भरवाई थी शराब और देवझिरी में शंकर नायक को करवाई थी क्रॉसिंग'' शीर्षक के साथ समाचार प्रकाशित किया था। मामले में अब लिखित एसपी को शिकायत होने के बाद भी एफआईआर में नाम दर्ज शराब माफिया अलकेश बाकलिया व मुकेश, मनोहर नायक की सांठ-गांठ के साथ एफआईआर में नाम दर्ज होता है की नहीं यह नहीं कह सकते पर माही की गूंज में समाचार प्रकाशित होने के बाद अलकेश बाकलिया व मुकेश ने शंकर नायक रंभापुर को वट्ठा-काकनवानी शराब दुकान का मैनेजर बना कर झाबुआ से रवानगी दे दी। अब शंकर नायक वट्ठा एवं कालीदेवी की शराब दुकान से संबंधित क्षेत्र सहित गुजरात व राजस्थान में दो पहिया वाहन से लेकर चार पहिया वाहन के साथ सैकड़ों वाहन से अवैध शराब ढो रहा है। वही कालीदेवी मैनेजर समाचार छपने के बाद से ही कालीदेवी से ही लापता होकर कहीं अनयत्र जगह चला गया है। पूरे मामले में पुलिस या आबकारी से शराब माफियाओ व गुर्गों को भय हो या न हो पर माही की गूंज का भय माफियाओं में जरूर है।

पेंशनर अपना जीवित प्रमाणपत्र चालु माह में भी जमा करवा सके है - रतनसिंह राठौर

- 80 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनरों के जीवित प्रमाणपत्र ले रही स्टेंट बैंक

माही की गूंज, झाबुआ। जिला पेंशनर एसोसिएशन झाबुआ के जिलाध्यक्ष रतनसिंह राठौर ने बताया कि राज्यशासन के सभी पेंशनरों को अपना जीवित प्रमाणपत्र प्रतिवर्ष माह नवम्बर में जमा कराना होता है। संगठन के सचिव पीडी रायपुरिया एवं कोषाध्यक्ष भेरूसिंह राठौर के अनुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनरों द्वारा अपना जीवित प्रमाणपत्र इसी माह अर्थात अक्टूबर 2021 में जमा करा सकते है। शेष पेंशनर अपना जीवित प्रमाणपत्र आगामी माह नवम्बर में अनिवार्य रूप से जमा करा दें। ताकि पेंशन प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की परेशानी न उठाना पड़े।

जिला संगठन के अध्यक्ष रतनसिंह राठौर के अनुसर माह नवम्बर में राजवाड़ा शाखा एवं आजाद चौक शाखा में पेंशनर के पदाधिकारी अपने पेंशनर साथियों के सहयोग एवं सुविधा के लिए उपलब्ध रहेगें। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की आजाद चौक शाखा द्वारा प्रतिदिन प्राप्त जीवन प्रमाणपत्र अपपलोड किये जा रहे है। इस बारे में बैंक के शाखा प्रबंधक द्वारा संगठन के जिलाध्यक्ष राठौर को जानकारी दी गई है।

दो दिवसीय जिनेन्द्र भक्ति महोत्सव का हो रहा आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

पुण्य सम्राट के कृपा पात्र स्व. पुखराज काठी की स्मृति में मुनिराज रजतचन्द्र विजयजी और मुनिराज जीतचन्द्र विजयजी की निश्रा में दो दिवसीय जिनेन्द्र भक्ति महोत्सव श्री ऋषभदेव बावन जीनालय में प्रारंभ हुआ। प्रथम दिवस सुबह भक्तामर पाठ, स्नात्र पूजन, मुनीश्री के प्रवचन हुए। दोपहर में काठी परिवार की ओर से श्री भक्तामर महापूजन संगीत के साथ पढ़ाई गई। इस अवसर पर मुनिराज ने कहा कि जीवन और मरण मानव जीवन की एक सचाई है, जिसने जन्म लिया है उसका मरण भी निश्चित है। इसलिय हमें एक क्षण भी गंवाना नहीं चाहिए और अधिक से अधिक धर्म कार्य करना चाहिए। आपने कहा कि भक्तामर स्त्रोत की एक एक गाथा प्रभावी है यदि श्रध्दा से इसका पाठ करे तो जीवन मे आने कठिनाईयां दूर हो सकती है। पूजन हेतु अक्षत से मंडप सजाया गया। 7 अक्टूबर को गुणानूवाद सभा होगी और मुनीश्री के प्रवचन होंगे।

जिला महिला पतंजलि योग समिति द्वारा प्रतिदिन करवाया जा रहा योगाभ्यास

शहर की महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर लाभ लेने की अपील

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला महिला पतंजलि योग समिति द्वारा योग षिविर पुनः आरंभ किया गया है। जिसमें प्रतिदिन अलसुबह 6 से 7 बजे तक गायत्री शक्तिपीठ कॉलेज मार्ग पर षिवरार्थी महिलाओं को योगाभ्यास महिला पंतजलि योग समिति की जिला प्रभारी एवं जिले की प्रख्यात योग प्रषिक्षिका सुश्री रूक्मणी वर्मा द्वारा करवाते हुए योग के कठिन से कठितनतम प्रणायाम एवं आसन करवाएं जा रहे है।

शिविर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं सम्मिलित हो रही है। इस दौरान क्षेत्रीय सांसद गुमानसिंह डामोर की धर्मपत्नि पूर्व आईएएस अधिकारी श्रीमती सूरज डामोर द्वारा भी सम्मिलित होकर योग करने के साथ समझाईष दी जा रही महिलाओं को प्रतिदिन योग एवं प्रणायाम के साथ सूर्य नमस्कार भी करना चाहिए। इसके लाभ के बारे में श्रीमती डामोर द्वारा महिलाओं को जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है।। योग प्रषिक्षिका सुश्री वर्मा ने बताया कि योग करने से संपूर्ण शरीर को आरोग्य, शक्ति एवं असीम ऊर्जा की प्राप्ति होती है। इससे शरीर के सभी अंगों में क्रियाषीलता आती है। हमे सूर्य नमस्कार की विधि 11 या 21 बार करना चाहिए। इससे आंख, नाक, कान को आरोग्य मिलती है। इस दौरान सुश्री रूक्मणी वर्मा ने शल्भासन करने से होने वाले फायदों में भी बताया।

इनकी रह रहीं सहभागिता

षिविर में प्रतिदिन मधु जोषी, रजनी पाटीदार, ज्योति जोषी, जरीन अंसारी, किरण शर्मा, विनीता टेलर, अंकिता पाटीदार, भावना टेलर, अनिता जैन, सिद्धी मालवीया, पूनम सिन्हा, लीना पटेल, उर्वषी मालवीया, साधना चौहान, हेमा गुप्ता आदि सम्मिलित होकर प्रतिदिन योग के तहत प्रणायाम, आसन एवं सूर्य नमस्कार कर रहीं है। जिला महिला पतंजलि योग समिति द्वारा शहर की समस्त महिलाओं से षिविर में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर लाभ लेने की अपील की है।

दो दिवसीय कराते एसोसिएशन के सेमिनार का हुआ आयोजन

जिले एवं अन्य प्रदेशों से आए हुए बच्चों को दिया गया कराते का प्रशिक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

कराते एसोसिएशन का दो दिवसीय कराते प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें कई प्रदेशो से कराते के हुनर को सिखने आये बच्चो को कराते का प्रशिक्षण दिया गया। स्थानीय अम्बा पैलेस पर हुये इस प्रशिक्षण में स्थानीय प्रशिक्षणकर्ता एवं अन्य जगहो से आये प्रशिक्षणकर्ताओ के द्वारा बच्चो को कराते के हुनर का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के प्रथम दिन सांसद गुमानसिंह डामोर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुये। वही उन्होने कहा कि बच्चो के इस तरह के हुनर को देखते हुये उनकी खुब प्रशंसा की एवं प्रशिक्षणकर्ताओ को साधुवाद भी दिया। वही उनके द्वारा जो भी सहायता होगी जिसमें जिले के बच्चो को आगे बढाने के लिये जिले एवं प्रदेश स्तर तक वह पुरी पुरी मदद देने की बात कही।

कराते एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष उमंग सक्सेना द्वारा बताया गया कि जिले में प्रतिभाओ की कोई कमी नही है। वही हर संभव यह प्रयास किया जाता है कि जिले के बच्चे नेशनल स्तर तक खेले ओर पुरे जिले का नाम रोशन करे। उन्होने बताया कि जिले के कई बच्चे नेशनल स्तर तक पहुचकर गोल्ड मैडल भी हासिल कर चुके है। वही यही उम्मीद के साथ आने वाले बच्चो को इस तरह का हुनर देकर बालिकाओ को ओर सुरक्षित बनाया जाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होने बताया कि प्रदेश भर से आये इस प्रशिक्षण में बच्चो को रूकने एवं उनके भोजन की पुरी व्यवस्था जिला कराते एसोसिएशन झाबुआ द्वारा की गई। इस प्रशिक्षण में जिले सहित कई अन्य जगहो जिनमें नीमच, कटनी, होशंगाबाद, रीवा, विदिशा, दमोद, बडवानी, छिंदवाडा, असम, प.बंगाल, शिवपुरी, आदि जगहो से बच्चो ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन पर विशेष परमजितसिंह चेअरमेन कराते एसोसिएशन, जयदेव शर्मा हेड कोच एवं प्रसिडेन्ट, परितोष शर्मा टेक्निकल डायरेक्टर, ब्रीजसिंह ट्रेजर , कमल सोलंकी, राहुल चौहान, बादल पांडे , आयुष चौहान, दिनेश डामोर, आयुष रावत उपस्थित थे। इस अवसर पर विशेष अतिथियो में सकल व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय कांठी, सचिव हिमांशु त्रिवेदी, रोटरी क्लब अध्यक्ष मनोज अरोरा, डिस्ट्रीक ज्वाइंट सेकेट्री अमित सिंह जादौन (यादव), इनरव्हील क्लब शक्ति की पूर्व अध्यक्ष श्रीमति शितलसिंह जादौन, जिला मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज बाबेल एवं सचिव कार्तिक नीमा उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन जनरल सचिव सूर्य प्रताप सिंह द्वारा व्यक्त किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ पर सामूहिक श्राद्ध तर्पण संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ (बसंत कॉलोनी) पर बुधवार को सर्वपितृ अमावस्या के अवसर पर सामुहिक श्राद्ध तर्पण का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरूषों ने शामिल होकर अपने पितरों के मोक्ष के लिए तर्पण व पींडदान किया।

शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी एसएस पुरोहित ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शक्तिपीठ पर सामुहिक तर्पण का आयोजन प्रातः साढ़े आठ बजे से पूजन विधान के साथ प्रारंभ किया गया। पूजन विधान का संचालन करते हुए विनोद जायसवाल ने कहा कि श्राद्ध तर्पण, पिंडदान करने पर पित्र तृप्त होते है। उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। प्रदीप पंडया ने मंगलाचरण कर स्वागत किया। देव आव्हान दीपक त्रिवेदी ने किया। सर्व प्रथम शटकर्म, देव्यज्ञ, ब्रम्ह यज्ञ, पितृयज्ञ किया गया। उसके पश्चात देव तर्पण, ऋषि तर्पण, पितृ तर्पण, आदि कर्मकाण्ड के बाद पिंडदान किया गया। यमदेव एवं पितृ देव को विसर्जित कर पीपल में जल समर्पित किया गया। इसके बाद गायत्री यज्ञ में परिजनों ने आहुतियां समर्पित की। कार्यक्रम में अरूण अरोड़ा, दिनेश डांगी, सरदासिंह चौहान, प्रशांत मलिक, ममता, निधी आदि ने सम्मीलित होकर समस्त व्यवस्था की गई।

जनजातीय सम्मेलन में भाजपा में शामिल होने वालों का हुआ सम्मान

सरकारी आयोजन बन गया राजनीतिक मंच

जोबट विधानसभा उपचुनाव को साधने की दिखी कवायद

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान जिले के दौरे पर रहे। कहने को तो मुख्यमंत्री का यह दौर और कार्यक्रम प्रशासनिक व जनजातिय सम्मेलन के नाम पर आयोजित किया गया था। मगर हुआ कुछ ऐसा कि यह इस प्रशासनिक कार्यक्रम पर पूरी तरह से राजनीति रंग चढ़ा दिखाई दिया। जनचर्चा का विषय यह भी रहा कि जोबट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव और आदिवासी वोट बैंक को प्रभावित करने के लिए झाबुआ में इस जनजातीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रशासन द्वारा इस आयोजन में अच्छी खासी भीड़ भी जुटाई गई। मंच पर जब मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने अपना भाषण देना शुरू किया तो ऐसा लग रहा था मानों कोई चुनावी सभा हो रही हो।

इस शासकीय आयोजन में मंच पर जोबट विधानसभा की पूर्व कांग्रेस विधायक सुलोचना रावत भी नजर आई जिन्होने हाल ही में भाजपा का दामन थामा है और जोबट विधानसभा उपचुनाव में वे भाजपा की प्रत्याशी भी है। हाल ही में पार्टी में शामिल हुई और भाजपा प्रत्याशी बनी सुलोचना रावत का मुख्यमंत्री के साथ मंच पर पहली पंकि त में बैठना भाजपाईयों में कोतुहल का विषय बना रहा। जबकि जोबट विधानसभा के भाजपा समर्थित पूर्व विधायक माधौसिंह डाबर को पिछली पंक्तियों में जगह दी गई। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई सुलोचना का मुख्यमंत्री ने मंच से परिचय करवाया। इतना ही नहीं पेटलावद क्षेत्र से कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कार्यकर्ताओं का भी शासकीय आयोजन के इस मंच पर सम्मान किया गया। इसी शासकीय आयोजन में मुख्यमंत्री चौहान ने उपस्थितजनों को हाथ ऊंचे करवाकर मामा व भाजपा का साथ देने का भी संकल्प दिलाया।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने इस कार्यक्रम में करीब 45 मिनट लंबा भाषण दिया। इस 45 मिनट में अधिकांश समय मुख्यमंत्री कांग्रेस और उसकी पूर्व सरकारों की बखिया ही उधेड़ते रहे। अपनी उपब्धियों को गिनाते हुए बार-बार यह कहते रहे कि सब मोदी जी का आशिर्वाद है। चौहान ने पूर्व की कमलनाथ सरकार पर भी बहुत सी चुटकियां ली और मंच पर उपस्थित मंत्री गोविंद राजपूत, राजवर्धनसिंह दत्तीगांव और महेंद्र सिसोदिया का नाम लेते हुए बताया कि ये लोग कांग्रेस से अलग होकर भाजपा में आए तब जाकर भाजपा की सरकार बनी है।

जनजातीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने पैसा एक्ट लागू करने की घोषणा करते हुए कहा कि आदिवासियों को अब वह सबकुछ मिलेगा जो कांग्रेस ने 50 सालों में कभी नही दिया।15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती धूमधाम से प्रदेश भर में मनेगी और भोपाल में मुख्य कार्यक्रम होगा। प्रधानमंत्री आवास ,पात्रता पर्ची में छुटे हुए नाम जोड़ने और 7 अक्टूबर से नामान्तरण व बंटवारे प्रकरण निपटाने के लिए अभियान शुरू करने के उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी भी दी कि कोई भी अधिकारी-कर्मचारी किसी से एक पैसा नहीं लेगा। कमान पर तीर चढा लिया है और गड़बड़ी करने वालों की खेर नहीं है।

मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा भी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से गरीबों की तकदीर बदल रही है। आपकी सरकार आपके द्वार के तहत राशन अब घर-घर भिजवाया जाएगा। 25 हज़ार रुपये परिवहन करने के बेरोजगारों को मिलेंगे और वे घर-घर जाकर राशन वितरित करेंगे। राशन लेने के लिए ग्रामीणों को समय खराब करके दुकानो पर नहीं जाना पड़ेगा।

शिवराजसिंह ने आदिवासियों को महुए की शराब बनाने की छूट देने का ऐलान करते हुए कहा कि जब अंग्रेजी शराब की डिस्टलरी हो सकती है तो आदिवासियों को रोकना ठीक नही है। उन्हें अपनी परंपराएं भी निभानी है। आदिवासी कई मामलों में फंसे हुए हैं। गंभीर मामले छोड़कर अन्य सभी मामले आदिवासियों पर से उन्होंने हटाने की घोषणा की। इसके अलावा झाबुआ के आदर्श महाविद्यालय में पीजी क्लास खोलने, संबल योजना फिर से शुरू करने, नर्मदा योजना से झाबुआ-आलीराजपुर जिले को पानी देने, पैसा एक्ट लागू होने से अब गांवों की विकास योजनाएं ग्राम सभाएं ही बनायेगी, हर गांव में 4 बेरोजगार को रोजगार मिलेगा,आवास भी वे ही बनाएंगे आदि घोषणाएं की गई।

मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से ढाई बजे के लगभग गोपालपुरा हवाई पट्टी पर उतरे। उनके साथ में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा भी थे। वहां से वे अपने काफिले के साथ कार में सफर करते हुए पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर पहुंचे जहां सम्मेलन रखा गया था। रास्ते में जगह-जगह उनका स्वागत हुआ। इस आयोजन में भीड़ लाने के लिए बाईक, जीपो व बसों का सहारा लिया गया। मुख्यमंत्री के दौरे व जनजातीय सम्मेलन आयोजन में भीड़ एकत्रित करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर हर सरकारी अधिकारी कर्मचारियों को लगाया गया था। इस इतने बड़े आयोजन में जिले के प्रभारी मंत्री व जनजातीय मंत्री नदारद दिखाई दिए।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के जवाब में कांग्रेस का अंतरवेलिया टोल पर प्रदर्शन

आम जनता की जेब पर खुलेआम डाका डाल रही है सरकार के आरोपो के साथ उखाड़ दिया टोल

युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा रोड पर हो रहे है बड़े-बड़े गड्ढे फिर किस बात का टोल

माही की गूंज, झाबुआ/मेघनगर।

पैसा एक्ट कानून लागू करने के लिए झाबुआ आए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम से जनता का ध्यान हटाने के लिए कांग्रेस के नेताओ ने टोल को निशाना बनाते हुए टोल बेरियर पर प्रर्दशन कर टोल की गुमटी उखाड़ कर जबरन टोल वसुली को आरोप लगा कर सरकार को घेरा । मध्यप्रदेश मे कुल 13 टोल बिना कारण व बिना रोड निर्माण के सरकार ने वसुली करने हेतु टोल लगाये है जिसमे झाबुआ से रतलाम के बीच दो टोल नाके लगे है। एक टोक नाका खासकर झाबुआ-मेघनगर के बीच अन्तरवेलिया मे आता है जिसको लेकर आम जनता में काफी आक्रोश है, चाहे भाजपा हो या कांग्रेस गुजरना तो सबको यही से है। उक्त मार्ग से खासकर मेघनगर, थांदला, पेटलावद क्षेत्र के लोगो का ज्यादा आना-जाना होता है, क्यो की जिला मुख्यालय झाबुआ है तो हर किसी को कोई भी काम हो तो झाबुआ आना होता है, कुछ लोग तो डेली अपडाउन वाले भी है उन्हें भी खासी परेशानी आती है और टोल बेरियर शुरू होने के बाद से ही लगातार विरोध न केवल आम जनता बल्कि सत्तापक्षीय नेता भी कर रहे है ।

रोड टोल वसुली लायक नही, जगह-जगह हो रहे गड्ढे

जब रोड ही गड्ढो मे तबदिल है तो फिर किस बात का टोल आम जनता दे..? जबकि सुविधा के नाम पर कम्पनी द्वारा कुछ भी रोड की भरपाई नही की गई है। जगह-जगह गड्ढो की भरमार है और रोड भी कोई नेशनल हाइवे नही है, यह रोड आदिवासी अंचल को रतलाम तक जोड़ने वाला रोड है। जनता तो यह कह रही है कि हम टोल किस बात का दे हमारे बाप-दादा ने कभी गांव खेडॉ में टोल नही देखा आज इस तरह की मनमानी हमारे साथ कि जा रही है जो कि तानाशाही है। आये दिन देखने मे आता है कि टोल वसुली के दौरान सवाल करने पर टोल संचालक के लोग विवाद पर उतारू तक हो जाते है।

जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर ग्राम अंतरवेलिया में राज्य शासन द्वारा एमपीआरडीसी के माध्यम से स्थापित टोल वसूली नाके पर मंगलवार सुबह 10बजे जिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, शहर कांग्रेस व अन्य मोर्चा संगठनों के संयुक्त तत्वाधान में विशाल धरना प्रदर्शन कर अवैध वसूली के विरोध में प्रभावी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर आक्रोशित युवाओं ने टोलगेट केबिन हटाने की पुरजोर कोशिश की, वरिष्ठ नेताओं की समझाइश पर आक्रोशित कार्यकर्ता शांत हुए।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि, राज्य शासन के तुगलकी निर्णय से आदिवासी बाहुल्य जिले मे टोल वसूली से जनता एवं छोटे-मोटे व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। भाजपा द्वारा जनता जनार्दन की जेब कैसे खाली की जाए इसके लिए नित्य तुगलकी फरमान जारी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया जाता है, राज्य सरकार ने एमपीआर डीसी के माध्यम से विगत 4 माह पूर्व झाबुआ-मेघनगर के बीच अंतरवेलीया व रतलाम रोड पर दो वसूली नए टोल गेट स्थापित कर दिए, जबकि दोनों नेशनल हाईवे स्टेट हाईवे की श्रेणी में नहीं आते हैं, जो न्याय संगत नहीं है।

प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि, यह भाजपा सरकार की तानाशाही है आम जनता से जबरन टोल वसूली की जा रही है न तो सड़क है न कोई सुविधा फिर कैसे आम जनता इन्हें टोल दे कांग्रेस सरकार हमेशा आम जनता की लड़ाई लड़ती आ रही है ओर हम अब इस टोल को बंद करवाकर ही रहेंगे।

जब तक रोड नहीं बनेगा तब तक टोल नहीं देगी आम जनता -विजय भाबर

जिला युवक कांग्रेस के अध्यक्ष विजय भाबर ने सम्बोधित करते हुए प्रशाशन को ललकारा ओर कहा कि यह सरकार आम जनता की जेब पर डाका डाल रही है दिनदहाड़े खुलेआम जनता को लूटा जा रहा है, सिर्फ हवा में बाते करती है यह सरकार और इनके नेता, हमने आज टोल हटाया है और चेतावनी देते है कि अगर आम जनता से अब टोल लिया तो हम आगे बड़े आंदोलन को विवश होंगे, हम जनता के साथ ही ये हमारी अकेले की परेशानी नही है हर आम जनता इस टोल से परेशान अब जबतक रोड नही तब तक टोल नही देना है अगर किसी से टोल लिया तो अब उसकी जिम्मेदार टोल कम्पनी होगी। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को कार्यवाहक अध्यक्ष हेमचंद डामोर, रूप सिंह डामोर, काना गूडिया ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष गौरव सक्सेना, संभागीय प्रवक्ता साबिर फिटवेल, मानसिंह मेडा, शंकर सिंह भूरिया, सुरेंद्र गरवाल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कलावती गहलोत, विजयी भाबर, यामीन शेख, राजेश डामोर, विनय भाबर, शाहिदा बाबर, रूसमाल मैडा, मित्तल गुडिया, बबलू कटारा, किलु भूरिया, प्रकाश परमार, शाहरुख खान, मालू डोडियार, अमन शेख, नंदलाल मेण, शंकर हटीला, मुकेश कतीजा, नटवर डोडियार, बाबू सरपंच, खीमा कुंडिया, उमेश चौहान, आशीष मुथा, सुनील भूरिया, रोहित हटीला, थावरिया डामोर, दीपु डोडियार, विशाल राठौड़, वसीम सैयद, जितेंद्र शाह, मोइनुद्दीन कल्लू, ठाकुर रविंद्र सिंह, महबूब सुलेमान, सोहेल शेरानी, रोशन बारिया, अन्नसिह वसुनिया, रोशन मेडा, जोसेफ सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

नवरात्र का आगाज आज से, सभी तैयारियां पूर्ण

संकट मोचन मित्र मण्डल गरबा महोत्सव की तैयारी पुर्ण ।

रोग्यादेवी नवयुवक समिति गरबा महोत्सव की तैयारी पुर्ण।

माही की गूंज, खवासा।

कोविंड-19 की तीसरी लहर की आशंका और डेंगू के प्रकोप के बीच शक्ति की भक्ति का पवित्र त्यौहार नवरात्र आज से प्रारंभ हो रहा है। इस बार मां की भक्ति, उपासना और आराधना, रिद्धि-सिद्धि की कामना के साथ ही आरोग्य प्राप्ति के लिए भी की जाएगी। मां जगत जननी जगदम्बे से प्रार्थना की जाएगी कि, कोविंड-19 के साथ ही अन्य बीमारियों का भी नाश हो और जो आम जनता लगभग डेढ़ वर्ष से भय मुक्त वातावरण में जीवन जी रही है वे भय मुक्त हो, देश एक बार फिर पहले जैसा उठ खड़ा हो, लोग स्वच्छद रूप से भय रहित वातावरण में पहले जैसा जीवन जिए।

पूरे अंचल में नवरात्रि उत्साह और उमंग के साथ मनाई जाती है। गांव में सुप्रसिद्ध तीर्थ पावागढ़ से अखण्ड ज्योति लाई जाती है और 9 दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ उत्साह पूर्वक गरबा खेला जाता है। इन दिनों एक पटिये पर गेहूं बोए जाते हैं, जिसे स्थानीय भाषा में ज्वारे कहां जाता हैं कि, स्थापना की जाती है और 9 दिन की आराधना के पश्चात उन ज्वारे का विसर्जन किया जाता है। मान्यता है कि, ज्वारे के रंग और आकार के आधार पर आगामी गेहूं की फसल का पूर्वानुमान भी लगाया जाता है।

खवासा के प्राचीनतम रोग्या देवी मंदिर पर नवयुवक समिति का गठन किया गया है जिसका अध्यक्ष अनिरुद्ध जाट (चिंटू) को बनाया गया है, चिंटू जाट के अनुसार सारी तैयारिया पूर्ण कर ली गई है। यहां लगभग 40 वर्षों से गरबा आयोजन किया जा रहा है इस बार विशेष रूप से लाइटिंग, साउंड, गरबा गायक व अन्य कलाकारों को बुलाया गया है। गरबा पूर्ण उत्साह और सरकारी गाईडलाइन के अनुसार खेला जाएगा।

वही बस स्टैंड पर संकट मोचन मित्र मंडल द्वारा भी रंगारंग गरबा उत्सव की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। मंडल के अध्यक्ष रवि चौहान ने बताया कि, संकट मोचन मित्र मंडल का यह 10 वॉ गरबोत्सव आयोजन है, इस वर्ष गायन, वादन और विशेष साउंड सिस्टम के साथ गरबा खेला जाएगा। मां की आराधना में कोविंड-19 से सुरक्षा हेतु विशेष व्यवस्था की गई है, सरकारी नियमों का पालन किया जाएगा।

स्वयं सहायता समूह द्वारा शत प्रतिशत टीकाकरण कराकर महिला शक्तिकरण का परिचय दिया

माही की गंज, झाबुआ। जिले में आजीविका मिशन से जुडी जिले की लगभग 1 लाख 32 हजार 809 महिलाओं द्वारा शत प्रतिशत टीकाकरण करवा कर महिला शक्तिकरण का परिचय दिया। महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं ग्रामों से फलियों से जुडी हुई महिलाए हैं जो आत्मनिर्भर भारत निर्माण में अपना अहम योगदान प्रदान कर रही है। वहीं पर गांव में जनजागृति, जनचेतना का एक सशक्त माध्यम के रूप में अपना वर्चस्व कायम किया है। विकासखण्ड झाबुआ में 27 हजार 550 स्वयं सहायता समूह के सदस्य, मेघनगर विकासखण्ड में 19 हजार 40 समूह के सदस्य, पेटलावद विकासखण्ड में 30 हजार 67 समूह के सदस्य, विकासखण्ड रामा में 19 हजार 240 समूह के सदस्य, विकासखण्ड राणापुर में 13 हजार 987 समूह के सदस्य एवं थांदला में 22 हजार 987 समूह के सदस्य है। जिनके द्वारा शत प्रतिशत टीकाकरण करवाया गया है। इस संबंध में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं आजीविका परियोजना के जिला प्रबंधक डॉ. श्री अभयसिंह खराडी द्वारा स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की सराहना की एवं बधाई दी है।

भागवत कथा सुनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है- पंडित श्री कृष्णकांत शर्मा

माही की गूंज, सारंगी।

श्राद्ध पक्ष में अपने पितरों को प्रसन्न करने के लिए गाडोलिया लोहार परिवार के द्वारा ग्राम सांरगी मे गाडोलिया बस्ती में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। अगर श्रद्धा और विश्वास के साथ श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करें तो जीवन सुख में हो जाता है, साथ ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। श्रीमद्भागवत पुराण सबसे महान है इसे सुनने से राजा परीक्षित को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी, यह बात गाडोलिया बस्ती में चल रही श्रीमद् भागवत महा कथा पुराण मे कथावाचक पंडित श्री कृष्णकांत शर्मा टेमरिया (मांडली) ने कही। उन्होंने कहा जब मानव इस संसार में जन्म लेता है तो चार व्याधि उत्पन्न होती है रोग, शोक, वृंदापन और मौत मानव इन्हीं चार व्याधियों में संघर्ष करता हुआ माया रुपी संसार से विदा होता है। सांसारिक बंधन में जितना बंधोगे उतना ही पाप के नजदीक पहुंचोगे इसलिए सांसारिक बंधन से मुक्त होकर परमात्मा की शरण में जाओ तभी जीवन रूपी नैया पार होगी।

पंडित शर्मा ने कथा में भक्तों को बताया, मनुष्य में परमार्थ की भावना होना चाहिए, स्वार्थ की नहीं, कथा सुनोगे तो संसार में पूजे जाओगे, हमेशा सकारात्मक सोच रखो, सभी कार्य होते हैं। भगवान ने सात दिन तक गोवर्धन पर्वत एक उंगली पर उठाया था। मनुष्य का मन व तन कथा में होना चाहिए तभी कथा सुनना सफल होती है। गाडोलिया लोहार समाज के पूर्व में दिवंगत हुए लोगों की आत्मशांति के लिए पित्र पक्ष में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है

कथा सुनाते हुए पंडित शर्मा ने कहा, भगवान की मूरत में राधा बसी है राधा की मूरत में कृष्ण बैठे हैं। भागवत कथा में श्री भगवान कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया, रुक्मणी विवाह, कंस वध, कृष्ण-सुदामा की दोस्ती के प्रसंग भी पंडित जी ने भक्तों को विस्तार पूर्वक बताएं।

कथा श्रवण करने रतलाम ,बामनिया, रायपुरिया, झकनावदा, झाबुआ, करवड़, थांदला आदि गांवो से भक्त कथा पंडाल में पहुंचकर कथा का श्रवण किया, कथा श्रवण करने के बाद भक्तों ने श्रीमद् भागवत जी की आरती उतारी एवं प्रसादी ग्रहण की।

ठेकेदार की लापरवाही का दंश झेल रहे ग्रामीण, पूरे वर्ष रहता है कीचड़

ग्रामीणों के कहने के बाद भी ठेकेदार ने नही किया सुधार

माही की गूंज, पेटलावद।

बामनिया-पेटलावद मार्ग से ग्राम रामपुरिया के सेमल फलियां तक प्रधानमंत्री सड़क योजना के माध्यम से बनी सड़क यहां के ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सेमल फलिए के पटेल फलियां में सड़क ठेकेदार द्वारा मार्ग के निर्माण में लापरवाही करते हुए पानी की निकासी की नही की और रोड को दोनों और से ऊंचा कर बीच मे पानी जमा होने जैसा निर्माण कर दिया। जिससे रोड के उक्त हिस्से की स्थिति इतनी दयनीय हो गई कि, यहां वर्ष भर पानी जमा रहता है जिससे कीचड़ की स्थिति बनी हुई रहती है।

ग्रामीणों का कहना है कि, निर्माण के दौरान ठेकेदार को कहने के बाद भी मार्ग को लापरवाही पूर्वक गलत बनाया गया जिससे रोड पानी जमा हो जाता है। ग्राम पंचायत रामपुरिया के पूर्व सरपंच सोमजी भूरिया ने कहा कि, ठेकेदार द्वारा जब रोड बनाया गया जब ओर कुछ दिनों पूर्व मार्ग का डामरीकरण किया गया। कई बार इस स्थान को सही करने को कहा गया, लेकिन ठेकेदार द्वारा सुधार नही किया गया। जिससे हमको परेशानीयो से जूझना पड़ रहा है। यहां पानी जमा होने से कीचड़ होता है और मछरों का भारी प्रकोप रहता है जिससे बिमारीया फैलती है। बारिश के समय पानी भी रोड सही नही होने से आस-पास के घरों में जाता है। सोमजी भूरिया ने कहा, ग्रामीणों की समस्या से प्रशासन को अवगत करवाऊँगा, यदि सुधार नही हुआ तो ठेकेदार के विरुद्ध सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाऊँगा।

वैक्सीनेशन में सराहनीय कार्य के लिए किया सम्मान

माही की गूंज, पेटलावद।

मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पेटलावद विकास खण्ड जिला झाबुआ को सम्पूर्ण इंदौर संभाग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सर्वप्रथम पात्र हितग्राहियो को प्रथम डोज़ का 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए झाबुआ में आयोजित समारोह में प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया गया। उक्त मोके पर कलेक्टर झाबुआ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी झाबुआ, जिला टीकाकरण अधिकारी झाबुआ और बीएमओ डॉक्टर एमएल चोपड़ा पेटलावद एवं पेटलावद स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे है।

सामुहिक तर्पण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

माही की गूंज ,झकनावद। शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा श्री सिंघेश्वर महादेव धाम पर अपने-अपने पूर्वजों के सामुहिक तर्पण का कार्यक्रम सर्वपितृ अमावसिया बुधवार को रखा गया था। सिंघेश्वर धाम पर प्रतिवर्ष सामुहिक तर्पण के अवसर पर ज्ञात-अज्ञात पूर्वजो का तर्पण होता है, जिससे अपने पूर्वजों को मोक्ष मिल सके। इस कार्यक्रम में 41 यजमान शामिल होकर अपने ज्ञात-अज्ञात पूर्वजों का तर्पण करने हेतु उपस्थित हुए हैं ।

बामनिया रेलवे फाटक पर जल्द बनेगा ओवर ब्रिज, मिलेगी फाटक और ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात

सर्वे के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू, दस करोड़ होगी लगभग लागत

माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।

लम्बे समय से बामनिया रेलवे फाटक और ओवर ब्रिज की मांग की जा रही जिससे रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम और परेशानी ने निजाद मिल सके। अब वाहन चालको को जल्द ही इस समस्या से निजाद मिल सकती है, मिली जानकारी के अनुसार ब्रीज कॉर्पोरेशन मध्यप्रदेश द्वारा उक्त ओवर ब्रिज के लिए सर्वे का कार्य पूरा कर लिया है और जल्द ही इसके टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। एक आंकड़े के मुताबिक उक्त ओवर ब्रिज की लागत दस करोड़ के लगभग हो सकती है ।

दो स्थान से हुआ सर्वे, फाटक से लगभग बीस-तीस फीट आगे हो सकता है ब्रिज निर्माण

स्टेट हाइवे रतलाम-झाबुआ मार्ग पर बामनिया रेलवे स्टेशन पर रेलवे फाटक के कारण कई बार वाहनों को फाटक बंद होने से घण्टों इंतजार करना पड़ता है। साथ ही बड़े और भारी वाहनों को यहां से गुजरने में परेशानी होती है और कई बार

दुर्घटना का शिकार भी हो जाते। रेलवे के कार्य के कारण बीच-बीच मे फाटक बंद होना, फाटक में खराबी होने के कारण भी मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को भारी मशक्कत उठानी पड़ती है, क्योंकि उक्त मार्ग का अन्य कोई वैकल्पिक मार्ग नही है। इस सभी परेशानियों से निपटने के लिए लगातार यहां से ओवर ब्रिज की मांग उठ रही थी, जो अब पूरी होती नजर आ रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक ओवर ब्रिज के लिए दो अलग-अलग स्थानों का चयन हो चुका है जिसके अनुसार ब्रिज वर्तमान मार्ग के अनुसार ही बनाया जा सकता है। बताया जा रहा है रेलवे फाटक के पास बने बड़े नाले से भी आगे से ओवर ब्रिज का निर्माण होगा । जिन दो जगह से सर्वे किये गए उसमे से एक स्थान तय होने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

गांव मे निकलने की योजना नही ,रेलवे की भी स्वीकृति मिली

ब्रिज कॉर्पोरेशन के अनुसार ओवर ब्रिज को नगर में से निकालने की कोई योजना नही है। क्योंकि उस स्थिति में भारी मुआवजा और अतिक्रमण हटाने मे परेशानी नही हो उसके अनुसार सर्वे किया गया है। ब्रिज का निर्माण वर्तमान में बस स्टेशन से हो कर खवासा-नारेला रोड़ तक सभावित है, यदि इस मे परिवर्तन होता है तो ब्रिज का दूसरा हिस्सा खवासा रोड पर बने माताजी मन्दिर के आसपास जा सकता है। ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर रेलवे की भी सहमति हो चुकी है, यदि कोई परेशानी नही आई तो उक्त स्टेट हाइवे पर ब्रिज की बड़ी सौगात जल्द ही मिल जाएगी।

संपादकीय

समझौते से पीड़ितों के जख्मों पर मरहम

रविवार को उत्तर प्रदेश में लखीमपुर जिले के नेपाल सीमा से लगे तिकुनिया गांव में हुई हिंसा और आगजनी में आठ लोगों की मौत होना एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, जिसमें कुछ किसान, कुछ भाजपा कार्यकर्ता, एक पत्रकार व एक ड्राइवर की मौत हो गई थी। नि:संदेह, इस दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा में किसान आंदोलन से इतर स्थानीय राजनीतिक कारण भी थे, जो हाल ही में गृह राज्यमंत्री बने क्षेत्रीय सांसद अजय मिश्रा के बयानों से उपजे आक्रोश के रूप में सामने आए थे। दरअसल, तीन अक्तूबर को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे और उन्होंने तय कार्यक्रम के अनुसार वंदन गार्डन में कुछ सरकारी योजनाओं का शिलान्यास करना था। वे पहले हेलीकॉप्टर से आने वाले थे, लेकिन किसानों द्वारा हेलीपेड के घेराव के कार्यक्रम के चलते प्रोटोकॉल बदला गया और वे सड़क मार्ग से लखीमपुर पहुंचे। उस दिन किसानों ने उपमुख्यमंत्री व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के विरोध व काफिले के घेराव की कॉल दी थी। दोपहर में मौर्य शिलान्यास कार्यक्रम खत्म करके अजय मिश्रा के गांव बनवीरपुर के लिए रवाना हुए, जो तिकुनिया से महज चार किलोमीटर दूरी पर है। वे दो अक्तूबर को हुए दंगल विजेताओं के पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि थे। इसी दौरान यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ।

किसानों का आरोप था कि, केंद्रीय मंत्री के पुत्र का वाहन किसानों पर चढ़ाने से हादसा हुआ, वहीं मंत्री का कहना है कि, किसानों के हमले से चालक संतुलन खो बैठे। बहरहाल घटनाक्रम के बाद किसान संगठनों में उबाल और चुनावी मोड में जा रहे राज्य की सियासत में तूफान आ गया। प्रदेश ही नहीं, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व पंजाब आदि राज्यों से विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता प्रदेश की योगी व केंद्र सरकार पर हमलावर हो गये। सारे घटनाक्रम में किसानों का मुद्दा गौण हो गया और राजनीतिक दलों की राजनीति तेज होने लगी। उसी तेजी से योगी सरकार डैमेज कंट्रोल में जुट गई।

घटना के बाद उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर की घटनाओं को दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि, सरकार घटना के कारणों की तह में जाएगी व दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगी। दरअसल, किसानों की क्षति को जिस तेजी से राजनीतिक दलों ने लपका, उसी तेजी से योगी सरकार ने मामले को निपटाने की तैयारी शुरू कर दी। दरअसल, योगी सरकार आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बड़े आंदोलन को न पनपने देने के लिए कमर कस चुकी थी। सोमवार दोपहर होते-होते किसानों की सभी मांगों को मान लिया गया। फिर किसान नेता राकेश टिकैत खुद पुलिस अधिकारियों के साथ मीडिया के सामने आए। एडीजी-लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने टिकैत की उपस्थिति में बताया कि, सरकार ने किसानों की सभी मांगें मान ली हैं। लखीमपुर में मारे गए चारों किसानों के परिवारों को 45 लाख रुपए और आश्रित को एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। घायलों को दस लाख रुपए दिए जाएंगे। किसानों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके अलावा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त जज मामले की जांच करेंगे। योगी सरकार ने घटना पर हो रही सियासत के उफान पर लगाम लगाने का दांव चल दिया। विपक्ष, केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग कर रहा था। लेकिन मुख्यमंत्री ने मामले की बागडोर खुद थामकर राजनीति करने की गुंजाइश पर विराम लगा दिया। लखीमपुर के लिए निकले राजनेताओं को उनके इलाकों में ही रोक दिया गया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आप के संजय सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, रालोद नेता जयंत चौधरी व शिवपाल यादव को लखीमपुर जाने से पहले ही रोक दिया गया। इसके बावजूद केंद्र व उ.प्र. सरकार को कृषि सुधार कानूनों का विरोध कर रहे किसानों की मांग पर गंभीरता दिखानी चाहिए। किसान गुस्से में है तो उसे सुना जाना चाहिए। उसके आक्रोश का लाभ निहित स्वार्थी तत्व व राजनेता उठा रहे हैं। लखीमपुर जैसी घटनाएं दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण हैं। लोकतंत्र में विरोध के स्वरों को भी सम्मान दिया जाना चाहिए, यही लोकतंत्र की खूबसूरती भी है।

हकीकत बने चुनावी उम्मीदें और वादे

हकीकत बनें चुनावी उम्मीदें और वादे

अपने व्यावसायिक सेवाकाल और उसके बाद संवैधानिक पदों पर रहते हुए मुझे विभिन्न आर्थिक तबकों के लोगों से मिलने-बरतने का अवसर मिला। नौकरी के दौरान मिले इस मौके को खुशी से अंगीकार किया। मैं खुशकिस्मत रहा कि मुझे पंजाब, जम्मू-कश्मीर, मणिपुर और सीमा सुरक्षा बल में सेवा करने का संयोग मिला (जिससे सीमांत इलाकों में जाना हुआ)। संघ लोकसेवा आयोग के कार्यकाल ने उन राज्यों से रूबरू करवाया जहां पहले नहीं गया था। इस दौरान मेरी कोशिश रहती कि, स्थानीय लोगों से बातचीत कर समस्याओं के बारे में जान सकूं। मुझे हैरानी हुई कि ग्रामीण और सीमावर्ती जगहों पर, कुछेक स्थानीय बदलावों के अलावा, मसले एक जैसे हैं। गांवों, सीमांत अंचल और शहरों की मलिन बस्तियों में रहने वाले अधिकांश लोग बहुत गरीब थे। उनके पास नाममात्र को या बिल्कुल भी जमीन नहीं होती, न ही स्थाई रोजगार, शिक्षा या स्वास्थ्य सुविधाएं व न ही सरकारी अधिकारियों तक पहुंच होती है। वे रोजाना के हिसाब से जीते हैं। जाहिर है जीडीपी में तरक्की के आंकड़े गिनाकर आए दिन अपनी पीठ थपथपाने वाले राजनेताओं को 'असल' भारत का इल्म नहीं है। उनके लिए न तो रोटी पाने को लंगर-भंडारे की पंक्ति में लगने वालों का कोई महत्व है, न ही उनका, जिन्हें कोविड महामारी पर लगे लॉकडाउन के दौरान महानगरों से अपने पैतृक स्थान पहुंचने को सैकड़ों कि.मी. पैदल चलना पड़ा था। इससे भी आगे, नेताओं को उनकी भी जरा परवाह नहीं जो गरीबों को मनरेगा दिहाड़ी जितनी मदद प्रदान करने या फिर उन स्नातकोत्तर किंतु बेरोजगार लड़कों की ओर ध्यान देने को कहें, जिन्हें मजबूरी में सीवर सफाई कर्मी की नौकरी के लिए आवेदन करना पड़ा है।

आमलोग चुनाव लड़कर सरकार बनाने के इच्छुक राजनीतिक दलों से क्या अपेक्षा रखते हैं? सर्वप्रथम आवश्यक जरूरत है, जीवन सुरक्षा यकीनी बनाना। आज की तारीख में, अधिकांश राज्यों में हमारे समक्ष ऐसी बेलगाम व्यवस्था है जो कि, कानून के प्रति जवाबदेह न होकर सत्ताधारी दल के स्थानीय क्षत्रपों के इशारे पर काम करती है। चोटी से लेकर नीचे तक पूरे तंत्र का राजनीतिकरण हो चुका है और अपने निजी स्वार्थ और सत्ताधारी दल के हित साधने के लिए कुछ भी करने को तैयार है (बेशक हर स्तर पर अपवाद के रूप में सम्मान करने योग्य अफसर हैं)।

अगली चीज़ है, अमीर-गरीब के बीच लगातार बढ़ता आर्थिक अंतर। अनेकानेक सरकारों को नीतियों के चलते लगता है कि यह पाट कभी न भरने वाला बन चुका है। किसी के पास रहने को गगनचुंबी 28 मंजिला आलीशान घर है तो किसी के सिर को सिर्फ खुले आकाश या फिर टीन-गत्ते की छत नसीब है। इतनी चौड़ी खाई को कैसे भरा जा सकता है? जाहिर है कुछ दाल-चावल या लड़कियों को साइकिल इत्यादि की मदद देकर यह होने से रहा। लोगों की जरूरतें पूरी करने के लिए एक विस्तृत योजना बने, जिस पर आगे अक्षरशः अमल हो। इसको बनाते वक्त, सब तबकों का ध्यान रखते हुए रोजगार, न्यूनतम वेतन की गारंटी हो, जिससे कि मजदूरी और जिंदगी सम्मानपूर्ण बने, शिक्षा और स्वास्थ्य का प्रावधान हो, रहने को घर इत्यादि कुछ ऐसे विषय हैं, जो हमारे समक्ष हैं। जब तक हम इस बढ़ती आर्थिक असमानता को नहीं पाटते, समाज में असंतोष का बढ़ना तय है। आमजन का गुस्सा और लाचारी रोजाना बढ़ती जाएगी। हम लोग खुशकिस्मत हैं कि अभी तक लावा फूटकर बाहर नहीं आया है। लेकिन यह असमानता लंबे समय तक सहन नहीं हो पाएगी और इससे पहले कि जनता आपा खो दे, समझदारी इसी में है कि दीवार पर लिखी इबारत और आने वाले घटनाक्रम का अंदाजा लगाकर समय रहते सुधार करने वाले उपाय अपनाए जाएं।

जहां हमारे समक्ष उक्त चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं वहीं नेतागण आज भी 'फूट डालो-राज करो' वाले पुराने ढर्रे पर आश्रित हैं। ब्रिटिश ने हमें जीतने के लिए इसी पैंतरे का सहारा लिया था और अब राजनेता इसका इस्तेमाल हम पर कर रहे हैं। ये लोग देश में पहले से मौजूद विभिन्न रारों का इस्तेमाल करने के अलावा कई नयी रारें पैदा कर हैंदूचाहे यह धर्म, जाति, कबीलाई, ग्रामीण बनाम शहरी, किसान बनाम दुकानदार... या ऐसा कुछ भी, जिससे भावनाएं भड़काकर वोट बैंक में इजाफा हो सके। 'धर्म एक

अफीम है' यह संज्ञा पहले ही मिली हुई है। हमारे राजनेताओं को यह बात बखूबी पता है, तभी तो इस अमोघ अस्त्र का इस्तेमाल लगातार जारी रखे हुए हैं। तथापि लोगों को धर्म और अंधविश्वास में फंसाना बहुत हो चुका। धर्म का वितंडा खाली पेट नहीं भर सकता, न ही रोजगार देगा। किसी मजबूत देश के लिए, मूलभूत जरूरत होती है, एक सुदृढ़, स्थाई आर्थिकी और एक पढ़ी-लिखी, स्वस्थ जनता का होना। बाहरी और आंतरिक सुरक्षा भी इसी आवश्यकता में शामिल है।

लोगों को दरअसल जो कुछ तरजीह पर चाहिए, वह है सुशासन और इसके लिए पैसे की जरूरत नहीं है। अच्छा प्रशासन देने को चाहिए खुले दिमाग वाले, सुशिक्षित और सेवाभाव से भरपूर राजनेता और वह प्रशासनिक अफसर, जिनके अंदर कर्तव्य परायणता और न्याय का जज्बा हो। आज निचले वर्ग के लिए इंसाफ उपलब्ध नहीं है क्योंकि प्रशासन के तमाम विभाग, खासकर पुलिस के आंतरिक कामकाज में दखलअंदाजी होती है। नियुक्तियों और स्थानांतरण में योग्यता और ईमानदारी को दरकिनार करने से प्रशासनिक व्यवस्था भ्रष्ट और पक्षपाती बन गयी है। तथापि राजनेता और राजनीतिक दल हैं कि मुफ्त की चीजों के कुछ दाने का चुग्गा डालकर, जैसे कि राशन, साइकिल, साड़ी यानी हर वह चीज जो उनका खुराफाती और षड्यंत्रकारी दिमाग सोच सकता है, लोगों को अपने जाल में फंसाना जारी रखे हुए हैं। क्या इस तरह के आरजी उपायों से गरीबी दूर हो जाएगी, एक स्वस्थदृशिक्षित-रोजगार और सुशासन वाला समाज बन पाएगा? कतई नहीं। यह लोग केवल जनता को मूर्ख और क्षणिक खुशी देने वाले नशे की आदी बना रहे हैं।

ऐसे में जब सरकारी क्षेत्र के उद्यम बेचे जा रहे हैं, कॉर्पोरेट्स जगत की कुछ चुनींदा कंपनियों की तरक्की दिन दूनी रात चौगुनी हो रही है। मध्यम और छोटे उद्योग कमजोर पड़ रहे हैं, व्यापारी और किसानों को अपने वजूद पर आसन्न खतरा सता रहा है। लेकिन क्या गिने-चुने कॉर्पोरेट्स जनता की मूलभूत जरूरतों को पूरा कर पाएंगे? क्या वे सुशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य इत्यादि सुविधाएं दे पाएंगे? क्योंकर मध्य स्तर की हजारों औद्योगिक इकाइयों के मालिकों ने विदेशी नागरिकता लेकर वहां धंधा जमाना चुना है? क्यों लाखों युवा देश से पलायन करने को तत्पर हैं? क्यों विद्यार्थी स्नातक बनने से पहले ही विदेशों में शिक्षा पाने को जाने लगे हैं? ये राजनेता पहले ही 'भारत' को खैरात की रोटी पाने वालों की पंक्ति में खड़ा कर चुके हैं। यह हालात उस अंतहीन जमात का कारनामा है, जिन्होंने सुनिश्चित किया है कि भारत के लोग अनपढ़, जाहिल और आसानी से झांसे में आने वाले बने रहें। वे, जो फैलाए गए झूठ और वितंडे पर आंख मूंदकर यकीन करें कि नेता लोग धार्मिक-जाति-पाति-कबीलाई वफादारी के आधार पर या घड़कर फैलाई गये मिथकों के गर्व से अभिभूत हुए मतदाता की वोट पा सकें। वह 'भारत' जो पढ़े-लिखों को सत्ता सौंपने की बजाय बहुसंख्यकों की भावना का दोहन करने वालों को सत्ता सौंप दे। ऐसा 'भारत' जो आपस में बंटा हो, अज्ञानी और भ्रमित रहे। कहावत है गरीबी एक अभिशाप है, एक ऐसा शाप जो किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान को कुचलकर रख देता है और अफसोस की बात है कि यह मानव-जनित है। यह कोई नैसर्गिक घटना नहीं है, इसके उद्गम में राज करने वालों का लालच रहा है। ऐसी अंतहीन लालसा, जो सभी के हक मारना चाहती है। ऐसे लोग ऊंचे सिंहासन पर बैठकर उन लोगों का भाग्य तय करने लगते हैं, जिन्होंने सत्ता पर बिठाया होता है। ऐसे-ऐसे ऐलान करते हैं, जिनसे 'तुगलकी फरमान' भी शरमा जाए, कौन किससे शादी कर सकता है, किसे क्या खाना-पीना चाहिए और किस बात को राजद्रोह माना जाएगा, यह तक तय करने लगते हैं।

गुरबचन जगत, लेखक

हमारे राजनीतिक दलों को दीर्घकालीन योजना बनाने में दिलचस्पी नहीं है। चुनावी घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा बनकर रह गया है, जिसे चुनाव से कुछ दिन पहले पेश करते हैं, जिसे कोई नहीं पढ़ता। बहस का विषय किसी एक व्यक्तित्व को चुनने पर न होकर दलों का चुनावी घोषणापत्र हो, जिसमें वे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य के वादे करते हैं, लेकिन यह काम नदारद है। बात प्रासंगिक मुद्दों पर करने की जगह जन-रैलियों में दिए जाने वाले उत्तेजक भाषणों पर होने लगती है। सोशल मीडिया झूठ, अर्धसत्य और दुष्प्रचार फैलाने का सामूहिक औजार बनकर रह गया है। अफसोस है, चर्चा की विषय वस्तु जाति और सांप्रदायिक दमगजों, मुफ्त की खैरात का बखान करने के घटिया स्तर पर सिमट चुकी है। आज, चुनाव आयोग की भूमिका और भी प्रासंगिक बन जाती है, उदाहरणार्थ, उसे चाहिए कि ऐसी व्यवस्था बनाए, जिसमें सार्वजनिक मंच, जैसे कि टीवी पर चुनाव पूर्व राजनीतिक दलों के नुमाइंदों के बीच मुद्दों को लेकर खुली बहस करवाए ताकि जनता को उनके विचारों का स्पष्ट रूप से पता चल सके। उसको केवल मतदान प्रक्रिया की निगरानी करने से आगे जाकर चुनाव पूर्व अन्य पहलुओं में ज्यादा सक्रियता दिखाने की जरूरत है। हमारे लोकतंत्र को जरूरत है कि सबको एक समान मौका मिले और इसको सुनिश्चित करवाने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका बहुत महती है। क्या चुनाव से पहले मतदाता को दी जाने वाली मुफ्त वस्तुएं रिश्वत की श्रेणी में नहीं आतीं? फिर क्यों नहीं मुख्य चुनाव आयुक्त इस पर कार्रवाई करते?

धर्म की आड़ में दुराचार

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

धार्मिक संस्थानों में कितना दुराचार होता है, इसकी ताजा खबर अभी पेरिस से आई है। फ्रांस के रोमन केथोलिक चर्च के एक आयोग ने गहरी छान-बीन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि, पिछले 70 वर्ष में उसके 3 हजार पादरियों और कर्मचारियों ने बच्चों के साथ व्यभिचार किया है। इस छान-बीन में आयोग ने लगभग ढाई वर्ष लगाए, हजारों दस्तावेज़ खोजे और सैकड़ों लोगों की गवाहियाँ लीं। उसने पाया कि, फ्रांस में 1950 से अब तक लगभग एक लाख 15 हजार पादरी और चर्च के अधिकारी रहे। उनमें से पता नहीं, कितनों ने क्या-क्या किया होगा लेकिन जब भी केथोलिक स्कूलों में जाने वाले या आश्रम और अनाथालय में रहने वाले बच्चों के माता-पिता ने शिकायत की तो उसकी जाँच हुई लेकिन असली सवाल यह है कि, कौनसे किस्से ज्यादा होते हैं? वे ज्यादा होते हैं, जिनकी शिकायत नहीं होती। किसी धर्मध्वजी याने पादरी, पुरोहित और इमाम के खिलाफशिकायत करना अपने आप में गुनाह बन जाता है। ऐसा नहीं है कि, दुराचार के ये अनैतिक धंधे सिर्फयूरोप के चर्चों में ही होते हैं, भारत के चर्चों में भी इस तरह की शर्मनाक घटनाओं की खबरें अक्सर आती रहती हैं। अभी केरल

के एक पादरी के कुकर्म का मामला भी गरमाया हुआ है। ऐसा नहीं है कि यह गंदगी ईसाई संगठनों में ही फैली हुई है। हिंदू मंदिरों के कई पुजारी और तथाकथित साधु-संत आज भी जेल की हवा खा रहे हैं। इस्लाम में स्त्री-पुरुष संबंधों की कड़ी मर्यादा के बावजूद अनेक अप्रिय किस्से भी सुनने में आते हैं। कहने का अर्थ यह कि दुराचारियों और व्यभिचारियों के लिए मजहब की झीनी चदरिया बहुत बड़ा सुरक्षा कवच बन जाता है। इसीलिए यूरोप के इतिहास का एक हजार साल का काल अंधकार-युग कहलाता है। प्रसिद्ध अमरीकी विद्वान कर्नल इंगरसोल ने पादरियों के विरुद्ध सौ वर्ष पहले जबर्दस्त अभियान चलाया था। उनका मानना था कि केथोलिक आश्रमों में व्यभिचार और बलात्कार की घटनाएं इसीलिए प्रायः होती रहती हैं कि पादरियों और साध्वियों का अविवाहित रहना अनिवार्य होता है। ये लोग अवसर मिलते ही यौनाचार में प्रवृत्त हो जाते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी धर्मध्वजी यही करते हैं। मैं स्वयं रोम के वेटिकन में पादरियों के साथ और ईरान में मशद और कुम के आयतुल्लाहों के साथ भी रहा हूँ और उनके श्रेष्ठ आचरण का साक्षी रहा हूं। फ्रांस के चर्च और पोप फ्रांसिस को दाद देनी होगी कि, वे पादरियों की आचरण-शुद्धि के मामले में कठोर रूख अपना रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिका के एक बिशप ने भी यह बीड़ा उठाया था। इस मामले में मेरी राय यह है कि, सभी धर्मों और व्यक्तियों के लिए भारत की आश्रम व्यवस्था श्रेष्ठ, सरल और व्यावहारिक है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम में प्रत्येक व्यक्ति यदि 25-25 वर्ष रहे तो सभी के लिए सदाचारी रहना अधिक संभव है।

तंत्र में सुधार से अर्थव्यवस्था को गति

स्विट्ज़रलैंड स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट द्वारा विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के प्रतिस्पर्धा सूचकांक में भारत की रैंक 2016 में 41 से फिसल कर 2020 में 43 रह गई है। इसी के समानांतर वर्ल्ड इकनामिक फोरम द्वारा बनाए गए प्रतिस्पर्धा सूचकांक में 2018 में भारत की रैंक 58 थी जो कि 2019 में फिसलकर 68 रह गई है।

हमारे फिसलने का पहला कारण शिक्षा का है। इंस्टिट्यूट आफमैनेजमेंट डेवलपमेंट के अनुसार हमारा शिक्षा तंत्र 64 देशों में 59 वें रैंक पर था। पर्यावरण की रैंक में हम 64 देशों में 64 वें रैंक पर थे। शिक्षा के क्षेत्र में हमारा खराब प्रदर्शन चिंता का विषय है। आरबीआई के अनुसार वर्ष 2019-20 में हमने जीडीपी का 3.3 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च किया था।

वैश्विक स्तर पर शिक्षा पर 6 प्रतिशत खर्च को उचित माना जाता है फिर भी 3.3 प्रतिशत उतना कमजोर नहीं है। यह रकम 2019-20 में 651 हजार करोड़ रुपए बैठती है। ऐसा समझें कि 6 माह में हमारी जनता जितना जीएसटी अदा करती है और केन्द्र एवं राज्य सरकारों को जितना राजस्व मिलता है, उससे अधिक खर्च इन सरकारों द्वारा शिक्षा पर किया जा रहा है। निःसंदेह शिक्षा खर्च में कहीं न कहीं विसंगति है।

दरअसल, 651 हजार करोड़ रुपए की यह रकम केवल सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र पर की जा रही है। दिल्ली में प्रति छात्र 78 हजार रुपए खर्च किए जा रहे हैं। विद्यालय जाने वाली जनसंख्या लगभग 46 करोड़ है। यदि इस रकम को देश के सभी छात्रों में बांट दिया जाए तो प्रत्येक छात्र को 14 हजार रुपए दिए जा सकते हैं। सामान्य रूप से ग्रामीण इंगलिश मीडियम विद्यालयों की फीस लगभग 12 हजार रुपए प्रति वर्ष होती है। यानी जितनी फीस में प्राइवेट विद्यालयों द्वारा इंगलिश मीडियम की शिक्षा हमारे छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही है, उससे 5 गुणा रकम सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों पर की जा रही है। इसके बावजूद हमारी रैंक नीचे रहती है।

दरअसल, सरकारी अध्यापकों को बच्चों को पढ़ाने में कोई रुचि नहीं होती है। यदि उनके रिजल्ट अच्छे आते हैं तो उन्हें कोई सम्मान नहीं मिलता और यदि उनके रिजल्ट खराब आते हैं तो उन्हें कोई सजा नहीं मिलती। इसलिए उनके

लिए विद्यालय की बायोमेट्रिक व्यवस्था में अपनी हाजिरी लगाना मात्र ही उद्देश्य रह जाता है। विशेष यह कि सरकार ने फीस माफ करके, मुफ्त पुस्तक, मुफ्त यूनिफार्म और मुफ्त मध्याह्न भोजन वितरित करके छात्रों को सरकारी विद्यालयों में दाखिला लेने के लिए सम्मोहित कर लिया है। इस सम्मोहन के चलते वे तुलना में कम खर्च में शिक्षा प्रदान करने वाले निजी विद्यालयों की तुलना महंगे लेकिन मुफ्त सरकारी विद्यालय में दाखिला लेना पसंद करते हैं। यदि हमें अपनी प्रतिस्पर्धा की क्षमता को बढ़ाना है तो अपनी शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। सुझाव है कि, सरकार द्वारा खर्च की जा रही रकम को छात्रों को सीधे वाउचर के माध्यम से दिया जाए और छात्रों को स्वतंत्रता दी जाए कि वे अपने मनपसंद के गुणवत्तायुक्त विद्यालय में अपनी फीस अदा कर सकें। यदि ऐसा किया जाएगा तो महंगे सरकारी विद्यालय में दाखिला लेने का प्रलोभन समाप्त हो जाएगा और उस रकम को कुशल प्राइवेट विद्यालयों की शिक्षा में सुधार के लिए किया जा सकेगा। हमारी शिक्षा व्यवस्था में सुधार आ जाएगा।

हमें पर्यावरण के अवरोध को समाप्त कर अर्थव्यवस्था को त्वरित बढ़ाना होगा। जैसे सरकार ने हाल में थर्मल बिजली संयंत्रों द्वारा प्रदूषण के मानकों को ढीला कर दिया है और पर्यावरण स्वीकृति के नियमों में ढील दी है। सरकार का मानना है कि, पर्यावरण कानून को नरमी से लागू करने से उद्यमियों द्वारा उद्योग लगाना आसान हो जाएगा और अर्थव्यवस्था चल निकलेगी। प्रश्न है कि उसी पर्यावरण को और कमजोर करने से हमारी प्रतिस्पर्धा शक्ति में सुधार कैसे संभव है? जब हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहता है तो जनस्वास्थ्य सुधरता है और नागरिकों की कार्यक्षमता बढ़ती है। सुधरे पर्यावरण में निवेशकों को निर्भय होकर भारत में आकर निवेश करने में संकोच नहीं होता। वे प्रदूषित स्थानों पर उद्योग लगाने में कतराते हैं। यदि सरकार नियम बनाती है कि उद्योगों को ऊर्जा की खपत कम करनी होगी तो उद्योगों द्वारा अच्छी गुणवत्ता की बिजली के बल्ब, पंखे, एयर कन्डीशनिंग, मोटरें इत्यादि उपयोग में लाई जाती हैं जो कि अंततः उनकी उत्पादन लागत को कम करती हैं।

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

आसान नहीं बड़ा आदमी होना

बच्चे पिता की नहीं सुन रहे साहब, जमाना खराब-सा हो लिया है।

शाहरुख खान कई किस्म के ब्रांडों के इश्तिहारों के ब्रांड एंबेसडर हैं। उनके इश्तिहारों का आशय है कि, वह नयी पीढ़ी को संदेश टाइप दे रहे हैं कि फलां पान-मसाला खाकर उस कोचिंग में पढ़ने जाना। पर उनका पुत्र विकट नशे के आरोपों में धरा गया है। उनका बेटा न पान-मसाला खाते देखा गया और न ही वो उस कोचिंग में जाते हुए देखा गया, जिसका प्रचार शाहरुख खान करते हैं। यानी कि, फिल्म स्टारों के बालक अपने ही बाप की न सुन रहे हैं।

कल को पान-मसाले का इश्तिहार करेंगे शाहरुख खान तो कोई उठकर कह देगा, आपका बेटा तो चरस-

अफीम खाए और हमें पान-मसाले पर ही रोक रहे हो खान साहब। ब्रांड एंबेसडर की बहुत आफतें हैं, झूठ साफ पकड़े जाते हैं। शाहरुख खान पान-मसाले की कहते हैं, बालक उनका अफीम-चरस में धरा गया है।

बच्चे ही न सुन रहे हैं तो बाहर वालों को क्यों सुना रहे हो, सवाल यह है। बड़े लोगों के बच्चे नहीं सुनते, बाहर वाले सुन लेते हैं, सच्चाई यही है। बच्चे सिर्फसुनने से ही इनकार न कर देते, बल्कि न जाने क्या-क्या सुनाने लगते हैं। बाप का कहा मानकर शाहरुख खान के बेटे को सिर्फ पान-मसाला खाना चाहिए। चलो पान-मसाला न खाया, तो कम से कम चरस-अफीम में तो न जाता। बच्चे मनमानी करते हैं। सुनील दत्त बेहद शरीफ इंसान थे, उनके बेटे संजय दत्त ने दुनिया का हर नशा हर ऐब कर डाला। बाप की सुनी ही नहीं।

आलोक पुराणिक

बड़े आदमियों के बालक गांजा-चरस में कामन इंटरेस्ट रखते हैं। कुल मिलाकर हाल यह है कि, बड़े खिलाड़ी, बड़े एक्टर तो कहीं मेहनत कर रहे होते हैं, अपने-अपने कामों में और बड़े आदमियों के बालक मिलते हैं कहीं क्रूज पर, कहीं किसी होटल में चरस-गांजा पार्टी करते हुए। अगर आदमी अपने बच्चे को सही शिक्षा, सही जीवन-मूल्य सिखाने में कामयाब हो गया तो समझो बड़ा आदमी नहीं है। बड़ा आदमी हो ही न पाया। टाइम बच्चों में ही गला दिया अच्छी बातें सिखाने में। शाहरुख खान के बेटे के साथ बड़े-बड़े उद्योपतियों के बालक भी धरे गये हैं चरस-गांजे में। चरस-गांजे के लेवल पर बच्चे पहुंचे, इतना बड़ा आदमी होना आसान नहीं है।

रेत माफिया को टीआई व एसडीओपी का संरक्षण

माफिया के खिलाफ कार्रवाई करवाना पड़ रहा है महंगा

माही की गूंज, विदिशा।

केवट सामाज द्वारा रेत माफ्यिाओ के खिलाफ करवाई के लिए दिए आवेदन पर विदिशा जिले के अधिकारीयो द्वारा कार्रवाई तो नही की गई, मगर दूसरी ओर रेत माफ्यिा सुमित मिश्रा के आगे विदिशा जिले के सभी प्रशानिक अधिकारी नतमस्तक हो गए। गरीबो के लिए व समाज के हक की लड़ाई लड़ रहे डॉ. इंद्रर सिंह केवट पर जिले के एसडीओपी व टीआई ने माफ्यिा के आगे नतमस्तक होते हुए गरीबों की आवाज बुलंद करने वाले पर ही 151 के तहत कार्रवाई कर दी गई। मगर प्रशासन को यह नहीं पता है कि, केवट समाज न किसी के आगे झुका है और न ही झुकेगा व हमेशा अपनी समाज व सामाज हित में ततपर खड़ा रहेगा चाहे प्रशासन को जो करना है। आखिर विदिशा जिले के अधिकारियों की क्या मजबुरी रही कि, माफ्यिो के कहने पर उनके आगे नतमस्तक होकर गरीबो पर अत्याचार किया जा रहा है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि, माफ्यिा का कुछ अंश अधिकारीयो की टेबल तक भी पहुंचाता है। जी हां ऐसा इसलिए कहना में आ रहा है क्योंकि, गरीबो के द्वारा रोड जाम करके प्रशासन की आँखे खोलना भी अधिकारीयो के लिए कुछ भी नही है, दूसरी ओर माफ्यिाओ के कहने पर गरीबो पर अत्याचार करना। ऐसी प्रशासन की क्या मजबूरी रही जो एक गरीब के साथ में बीच सड़क पर जानवरों जैसी हरकतें कर जुम्मा-जट्टकी की गई। आखिर जिले में बैठे आला अधिकारी ऐसी हरकतें कर आम जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं...? जो गरीबों का हक की लड़ाई लड़ रहे हैं उसी पर अत्याचार कर रहे हैं दूसरी ओर माफ्यिाओं के खिलाफ कार्रवाई का ढिंढोरा पीटकर-पीटकर गरीबो द्वारा आवेदन दिया गया। मगर उस आवेदन को कचरे के ढेर में फेंक माफ्यिा से मिली भगत व गठजोड़ कर एक गरीब पर धारा 151 के तहत क्यों कार्रवाई की गई। विदिशा जिले की आम गरीब जनता का विश्वास अब पूरे प्रशासनिक अधिकारियों व प्रशासन के ऊपर से पूरी तरह उठ चुका है, क्योंकि जो जनता के रक्षक हैं वही भक्षक बने बैठे हुए हैं। जनता इन जैसे भ्रष्ट अधिकारियों से क्या उम्मीद करेगी...? आखिरी विदिशा थाना प्रभारी टीआई द्वारा किस मजबूरी में धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई...?

मुख्यमंत्री के गृह जिले में पुलिस की दमनकारी नीति

मंदिर की जमीन पर अवैध रेत भंडारण एवं रोपे गए पौधों को नष्ट करने के खिलाफ सत्याग्रह गंजबासौदा के ग्राम निबोदिया बेतवा नदी किनारे स्थित श्री राम जानकी केवट राज मंदिर की जमीन पर रेत उत्खनन कर्ता द्वारा अवैध रेट भंडारण किए जाने एवं मंदिर के ऑक्सीजन उद्यान में रोपे गए कई औषधीय व फ्लदार पौधों को नष्ट किये जाने के खिलाफमाझी समाज का सत्याग्रह आंदोलन किया जा रहा है। इसके पूर्व माझी समाज द्वारा प्रशासन को इस संबंध में कई आवेदन व ज्ञापन दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद भी प्रशासन द्वारा मंदिर की भूमि को खाली नहीं कराया गया और न ही अवैध रेत की जप्ती की गई। जबकि नायब तहसीलदार द्वारा संबंधित क्षेत्र का निरीक्षण किया जा चुका है। प्रशासन के ढीले रवैये एवं रेत माफ्यिाओं से मिलीभगत की शिकायत लेकर माझी समाज के प्रदेश सचिव इंदर सिंह केवट व अन्य साथी पुरानी कलेक्ट्रेट से नई कलेक्ट्रेट तक पिंड भरते हुए कलेक्टर से मिलने जा रहे थे, जिसके कारण रेल्वे ओवर ब्रिज पर ट्रैफ्क्रि जाम की स्थिति बनती देख ट्रैफ्क्रि पुलिस वालों ने सत्याग्रह करने वालों को रोका। इस बीच ट्रैफ्क्रि पुलिस और माझी समाज के प्रदेश सचिव के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई, बाद में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर थाने में बैठा लिया।

कोतवाली थाना प्रभारी वीरेंद्र झा ने बताया कि, इन लोगों द्वारा ट्राफ्क्रि में व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा था मेडिकल परीक्षण उपरांत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पासीसर के योगेंद्र राजपूत का हुआ नवोदय में चयन

माही की गूंज, कालापीपल।

कालापीपल तहसील के अंतर्गत ग्राम पासीसर में रहने वाले ओमप्रकाश राजपूत के पुत्र योगेंद्र सिंह राजपूत का 2020-21 सत्र में नवोदय विद्यालय के लिए चयन हुआ। कोरोना काल में जहाँ विधालय पूर्णतः बन्द थे, ऐसे में योगेंद्र राजपूत जो की भूरिया खजुरिया के विशन पब्लिक स्कूल के छात्र थे ने खुद परिश्रम कर नवोदय की परीक्षा में कालापीपल में प्रथम स्थान प्राप्त किया व गाँव में से पहली बार किसी बच्चे का नवोदय में चयन हुआ। योगेंद्र सिंह ने अपने माता-पिता, गांव व स्कूल का नाम रोशन किया। इस अवसर पर गाँव की महाराणा प्रताप सेवा समिति के सचिव सोदान सिंह राजपूत के नेतृत्व में हिरदेश व रवि राजपूत की उपस्तिथि में योगेंद्र सिंह व उनके पिताजी को पुष्पमाला पहना कर बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की।

टप्पा कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर का विदाई समारोह

माही की गूंज, शाजापुर
अजयराज केवट।

अकोदिया मंडी टप्पा कार्यालय में पदस्थ हंसमुख मिलनसार सबके चाहते अपने कार्य के प्रति किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं एवं सब का कार्य समय पर किया गया ऐसे टप्पा कार्यालय के बाबू अजय जाटव का विदाई समारोह आयोजित किया गया। टप्पा कार्यालय में नायब तहसीलदार मुकेश सांवले, पटवारी गोपाल कारपेंटर, नरेंद्र पांचाल पटवारी, महेश परमार, बाबू राजेश शर्मा, कृष्णा मेवाड़ा के द्वारा साल श्रीफ्ल देकर विदाई दी गई। अजय जाटव ने 4 वर्ष से ज्यादा अपने कार्य के प्रति हमेशा जागरूक रहें टप्पा कार्यालय में सराहनीय कार्य किया।

अजय जाटव ने बताया कि, मैंने गृहस्ती की परेशानी को देखते हुए अपना स्वयं ट्रांसफ्र अपना घर ग्वालियर करवाया है और मुझे अकोदिया एवं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र के द्वारा एवं समस्त स्टाफएवं नायब तहसीलदार मुकेश सांवले मेरे मार्गदर्शक रहे। सभी लोगों का प्रेम, स्नेह, प्यार मिला है। आयोजन में चौकीदार देवकरण मालवीय, दिलीप मालवीय, गंगाराम मालवीय, कन्हैया आदि मौजूद रहे।

अब स्विगी-जोमैटो वाले कौवे

लेखक:- सौरभ जैन

घर की छत पर कौवों की काऊ-काऊ मची हुई थी। कौओं का मोस्ट अवेटेड सीजन खत्म होने को था। यह गांव था इसलिए यहां कौवे थे। वैसे भी श्राद्ध पक्ष में कौवे रिसॉर्ट वाले विधायकों-सा फ्ील करते है। सर्वत्र हर कोई उन्हें ही पुकार रहा होता है। कौवे को भोजन ग्रहण करवाने की मनुहार तो ऐसे होती है जैसे ससुराल में जमाई को खाना खिलाया जा रहा हो। कौवे जीवन की सार्थकता श्राद्ध के होने से ही होती है। कलियुग में काली बिल्ली का रास्ता इंसान काट ले तो बिल्ली के लिए अशुभ होता है। किंवदंतियां समय के अनुरूप बदल-सी गई हैं।

हाल-फ्लिहाल तो श्राद्ध के दिन कौवों के लिए हॉलिडे के दिन होते है, कौवे अपने पूरे कुटुम्ब के साथ इस अवसर को एन्जॉय करते हैं। कोरोना के बाद शहर से अपने गांव आ बसे रिटायर्ड शर्मा जी के घर की ही बात की जाए तो पिछले वर्ष ही उनके 95 बरस के पिताजी चल बसे। पंडित जी घर आये और कहा शर्मा जी! 'आपके पिताश्री की इच्छा अधूरी रह गई है। नतीजतन अनोपान करना पड़ेगा, थोड़ी दान-दक्षिणा लगेगी बाकी सब हम संभाल लेंगे।' 95 बरस तक भी इच्छा पूरी न होना व्यक्ति के अभिलाषावान होने की अपार क्षमता को दर्शाता है। शर्मा जी मान गए आखिर पिताजी की इच्छा से जुड़ा प्रश्न जो था। पंडित जी आये, शार्ट पूजा की और ऑनलाइन पेमेंट लेकर चले गए। डिजिटल इंडिया में दक्षिणा पेटीएम करने पर पुण्य पर थोड़ा डिस्काउंट भी मिल जाता है। अंत में जाते-जाते पंडित जी ने मिसेज शर्मा से कहा 'बहन जी, पिताजी की आत्मा की शांति के लिए कौवों को भोजन करवाना होगा और दान-पुण्य करने होंगे वरना आपके जीवन में संकट आएगा।' संकट वाली बात जाहिर चेतावनी जैसी थी, जिसने मिसेज शर्मा को कौवों को भोजन करवाने के लिए प्रेरित किया। वैसे गौर करने वाली बात थी कि जब पिताजी जीवित थे, तब तक उनको कोई खास पूछता नहीं था अब चल बसे तो पंडित जी के कहने पर उनकी पसन्द की वस्तुओं की सूची तैयार की जा रही थी। उधर पिताजी स्वर्ग से एक आवेदन यमलोक के शिकायत निवारण विभाग को लिख रहे थे कि भूलोक की व्यवस्था ऐसी हो कि आदमी को जीते जी खाना मिल सके। अब यहां जीवित आदमी से तो कोई नहीं डरता, मरे हुए से सब डर जाते हैं। इसी क्रम में छत पर थाल में खाद्य सामग्री सजा कर रखी गई। आसमान का नजारा विचित्र-सा था। ब्लैकी कौवे को उड़ते देख कल्लू कौवे ने पूछा 'यार शर्मा जी तेरे इतने पुराने क्लाइंट हैं, तुझे कब से बुला रहे हैं, जाता क्यों नहीं?' इस पर ब्लैकी ने जवाब दिया, 'ब्रो, वे घर का खाना खिलाते हैं और मुझे जोमैटो से कम कुछ जमता नहीं है।' सीजन खत्म होने पर दोनों कौवे उड़े चले जा रहे थे।

असहमति को कुचलना लोकतंत्र नहीं हैं!

लेखक
अनिल त्रिवेदी

लोकतंत्र अकेली सहमति का तंत्र नहीं हैं।हर बात में सबको सहमत होना ही होगा यह राजशाही ,सामंतशाही या तानाशाही की जीवनी शक्ति तो हो सकती है पर लोकतंत्र में असहमति की मौजूदगी हीं लोकतंत्र को जीवन्त बनाती हैं।सब एक मत हो और एक अकेला व्यक्ति भी असहमत हो तो ऐसी अकेली और निर्भय आवाज को अल्पमत मान अनसुना कर देना, नकारना या कुचल देने को भले ही कोई तत्वतः तानाशाही न माने। महज़ मनमानी या बहुमत का विशेष अधिकार मानें पर ऐसा व्यवहार किसी भी रूप में जीवन्त लोकतांत्रिक व्यवस्था तो निश्चित ही नहीं माना जा सकता हैं। लोकतंत्र नाम से नहीं, निर्भय अकेली आवाज को निरन्तर उठाने देने और उठाते रहने से हीं परिपूर्ण और प्रभावी बनता हैं। लोकतंत्र पक्ष-विपक्ष की विवेकजन्य समझदारी का तंत्र है। लोकतंत्र में असहमति को हर किसी को अपना विचार या मत अभिव्यक्त करने का मूलभूत अधिकार निहित होता हैं। किसी को भी वैचारिक अभिव्यक्ति से रोका नहीं जा सकता। लोकतंत्र में निर्णय भले ही बहुमत से होते हो पर बहुमत से असहमत होने का मूलभूत अधिकार तो असहमतों को हर हाल में उपलब्ध ही हैं। लोकतंत्र में बहुमत और अल्पमत दोनों को यह अधिकार हैं की वे निर्भय होकर अपनी-अपनी बात खुलकर रखे, एक-दूसरे को सुनें समझें तब निर्णय करे। लोकतंत्र में प्रतिबंध लगाने की प्रवृति ही नाजायज हैं, केवल प्रतिबंध लगाने की प्रवृति पर ही प्रतिबंध जायज़ है, बाकी सारे प्रतिबंध लोकतंत्र विरोधी ही मानें जायेगे। भारत में लोकतंत्र को आये 95 वर्ष गुज़र गये। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। फ्रि भी भारत के लोगों और भारत के राजनैतिक, सामाजिक, पारिवारिक और प्रशासनिक तंत्र में असहमतों और असहमतियों को हाथों-हाथ नहीं लिया जाता। सारे के सारे सहमत विचार असहमत विचार पर तत्काल हमलावर हो जाते हैं। सहमतों को लगता है कि, असहमत उनके काम में अड़ंगा हैं। यदि असहमतियों का कोई मतलब ही नहीं होता तो दुनिया में लोकतंत्र के विचार का जन्म ही नहीं होता। इस नजरिए से सोचा जाए तो, असहमतियों और सहमतियों के सह-अस्तित्व से ही वास्तविक लोकतंत्र निरन्तर सही मायने में चलाया और निखारा जा सकता है। भारतीय लोकतंत्र में जनता को तो अपना जनप्रतिनिधि चुनने का अधिकार है पर जनप्रतिनिधियों को हमेशा अपना नेता चुनने का अधिकार होते हुए भी कई बार चुनने का अवसर ही नहीं मिलता। भारत के अधिकांश राजनैतिक दल अपने सांसद, विधायक को स्वतंत्र रुप से नेता चुनने का अवसर या अधिकार ही नहीं देते हैं, प्रायः चुनाव का स्वांग रचते हैं। संविधान बोलने की आजादी देता हैं पर लोकतंत्र में राजनैतिक दलों द्वारा अपने-अपने दल में खुल कर बोलने का अवसर या अधिकार कार्यकर्ताओं और नेताओं को प्रायः नहीं मिल पाता। साथ ही लोकतान्त्रिक, राजनैतिक दलों में भी आम कार्यकर्ता अपने ही नेतृत्व से सवाल-जवाब की हिम्मत नेताओं की नाराज़गी के भय से नहीं कर पाते। सभी लोकतांत्रिक, राजनैतिक दलों में भी सवाल खड़े करने वाले का स्वागत नहीं होता। इसी कारण आजादी के इतने वर्षों के बाद भी भारत के राजनैतिक दल कार्यकर्ताओं और सार्वजनिक जीवन में लोकतंत्र जीवन्त नहीं बन पाया। सभी दलों में हांजी-हांजी का साम्राज्य खड़ा हो गया। आजादी के इतने वर्षो बाद भी हमारा निजी और सार्वजनिक जीवन सामन्ती सोच से ऊपर नहीं उठ पाया है। यहीं हाल लगभग भारत के आम और खास नागरिकों का भी बन गया है । हम बात तो लोकतंत्र की करते हैं परन्तु हम सबका आचरण प्रायः सामंती प्रवृत्ति का पोषक ही बना हुआ है। तभी तो भारतीय राजनीति में सर्वोच्च नेतृत्व चाहे वह किसी भी पक्ष का हो उसका तो निरन्तर महिमा मंडन होता रहता है पर नागरिकों और राजनैतिक कार्यकर्ताओं का निर्भीक व्यक्तित्व एवं कृतित्व इतने वर्षो के लोकतंत्र और आजादी में भी वैसा निखर नहीं पाया है जैसा होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जीवन्त नागरिक और राजनैतिक दलों में विचार-विमर्श करने वाले विचारशील कार्यकर्ताओं का अभाव या प्रभाव भारतीय लोकतंत्र को पूरी तरह यांत्रिक भीड़तंत्र में बदल रहा है। दो राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता या एक ही राजनैतिक दल के कार्यकर्ताओं के विचारों में मत-मतांतर होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मौजूदगी का प्रतीक है। हम सब देख रहे हैं आज हमारे राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं और परिपक्व नेता और नागरिक भी विचार विमर्श से दूर जाने लगे हैं और बहस करने से कतराते हैं। लोकतंत्र में यदि बहस से परहेज़ होगा तो राजनीति तो यंत्रवत जड़ता में बदल ही जावेगी। आज़ादी के इतने वर्षो बाद यदि आपसी विचार-विमर्श खत्म सा हो जाय तो फ्रि नागरिक और लोकतंत्र नाम के ही होंगे, काम के नहीं। भारत के लोकतंत्र को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है और वह हैं भी। पर बड़ा होना उतना उल्लेखनीय नहीं हैं जितना जीवन्त और जागरूक नागरिकता का निरन्तर लोकमानस में मौजूद न होना। भारतीयों पर सदियों से राजाओं, मुगलों और अंग्रेजों का राज रहा और इन सारे राज्यकर्ताओं की राजाज्ञाओं को प्रजा को मानने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। इसी से आजादी के बाद अस्तित्व में आये लोकतंत्र का इतने वर्षो बाद भी पूरा चरित्र दलों और सरकार के स्तर पर भी लोकतांत्रिक नहीं बन पाया है। आज भी भारत का लोकमानस बहुत कम मात्रा में लोकतांत्रिक बन पाया हैं। आज भी जनतंत्र पर सामंती सोच और संस्कारों का गहरा प्रभाव दिखाई देता है। देश-प्रदेश और नगरीय निकाय के शासन, प्रशासन की बात भी नहीं करें। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत में लोकतंत्र की चर्चा करें तो सरपंच भी ग्राम सभा को जीवन्त नहीं करना चाहता और ग्रामीण जनता भी ग्राम सभा को सफ्ल और प्रभावी बनाने में रुचि लेती नहीं दिखाई देती। ज्यादातर ग्राम सभाओं में कोरम भी उपस्थित नहीं हो पाता और कागज़ पर औपचारिक रूप से ग्राम सभा हो जाती है।यह हमारी लोकतंत्र के प्रति जागरूकता की समझ है।विधायी कार्य व्यापक विचार-विमर्श से न होकर प्रायः जल्दबाजी में होता हैं। नीचे से ऊपर तक हमारे यहां लोकतंत्र की यहीं समझ है की चुनाव होना और कैसे भी चुनाव जीतना यहीं लोकतंत्र का मूल है। कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका से लेकर शासन-प्रशासन और नगरीय निकाय ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन क्रम में लोकतंत्रात्मक तौर-तरीकों में वैसी समझ संस्कार भारत के लोकमानस में इतने वर्षो के बाद भी खड़ी नहीं हो सकीं हैं जो एक जीवन्त लोकतंत्रात्मक समाज और सरकार में होना चाहिए। यह हमारे लोकजीवन और लोकतंत्र की सच्चाई है। आज पौन सदी के बाद भी हम लोकतांत्रिक मूल्यों और मानस को भारत के लोकजीवन में निखार नही पाए। इसी से नागरिकों और व्यवस्था दोनों में लोकतंत्र के प्रति समर्पण भाव और जागरूकता नहीं दिखाई देती हैं। जागरूकता के बगैर और जी हुज़ूरी से जीवन ही चलना संभव नहीं है फ्रि भी हम मानते और गर्व करते हैं की हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश है। हमारे लोकतंत्र में कई सारी कमजोरियां महसूस हो रही हैं या स्पष्ट दिखाई देती हैं। आमलोगों की भागीदारी और ताकत सबको महसूस होनी चाहिए। चुनीं हुई सरकार को लोकतंत्र को हर संभव कोशिश कर बेहतर बनाने में मदद करने में सक्षम और सफ्ल होना ही चाहिए। लोकतंत्र का लोगों का लोगों के द्वारा और लोगों के लिए ही जन्म हुआ है। लोकतंत्र का यह मूल स्वरूप बनाये रखना जनता ,सरकार और चुने हुए नेतृत्व या बिना चुने हुए आगेवान लोगों का निरन्तर व्यक्तिशः कर्तव्य और सामूहिक उत्तरदायित्व भी है। यदि सभी लोकतंत्र को लेकर अनमने ही बने रहे तो हम अपनी आजादी और लोकतंत्र का नाम स्मरण तो करते रह सकते हैं, पर आजादी और लोकतंत्र को निजी और सार्वजनिक जीवन में साकार नहीं कर सकेंगें। यहीं आज के भारत की सबसे बड़ी चुनौती है।

नवरात्रि पर्व बड़ी धूमधाम से सभी पंडालों में मनाया जाएगा

माही की गूंज, अकोदिया।

नवरात्रि के पावन पर्व पर सभी जगह माता की स्थापना के लिए पांडाल की तैयारी बड़े जोर-शोर से चल रही है। हर वर्षी की तरह इस वर्ष भी रेल्वे स्टेशन चौराहा कालका भक्त मंडल, टप्पा चौराया, कंगन बाजार चौराहा, सब्जी बाजार, गोपाल मंदिर, जाट पुरा संकट हरनी माता मंदिर, बस स्टैंड, झीनकॉलोनी, अकोदिया गांव फुलेन पुलिस थाना प्रांगण में समस्त पांडाल के सदस्यों के द्वारा माता की स्थापना को लेकर तैयारियां चल रही है। नव युवकों को लेकर बड़े ही धूमधाम से 9 दिन माता की नवरात्रि का पर्व बड़ी धूमधाम से नगर में मनाया जाएगा। कोरोना गाइडलाइन के आदेश अनुसार पंडालों में गरबे का आयोजन भी प्रशासनिक आदेश मिलने के बाद पंडाल के द्वारा गरबा नृत्य संपन्न किया जाएगा। इस बार नव युवकों के द्वारा नवरात्रि पर्व मनाने के लिए ज्यादा उत्सव देखने को मिल रहा है।

कंगन बाजार चौराहा में भी स्थापना को लेकर हरिओम राठौर ने बताया कि, हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम से माता की स्थापना कर 9 दिन तक विशेष प्रसादी एवं महा आरती का आयोजन किया जाएगा।

टप्पा चौराहे पंडाल के सदस्य के द्वारा भी बताया गया कि, हर वर्ष की तरह टप्पा चौराहे पर बड़ी ही धूमधाम से माता रानी की विशेष प्रसादी के साथ नवरात्रि पर्व मनाया जाएगा।

सब्जी बाजार में भी कई वर्षों से नवरात्रि पर्व मनाते आ रहे हैं वहां के विशेष कार्यकर्ता मनोज यादव के द्वारा बताया गया कि, 9 दिन तक ही हमारे पांडाल में संगीतमय आयोजन चलता रहता है एवं गरबा प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है। इस बार कोरोना के समय को देखते हुए शासन के आदेश अनुसार कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

नवरात्र के पहले दिन शैलपुत्री

''वन्दे वाञ्छितलाभय चन्द्रार्धकृत शेखराम्।
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्री यशस्विनीम् ।।''

मां दुर्गा अपने पहले स्वरूप में 'शैलपुत्री' के नाम से जानी जाती है। पर्वतराज हिमालय के यहां पुत्री के रूप में उत्पन्न होने के कारण इनका यह 'शैलपुत्री' नाम पड़ा था। वृषभ-स्थिता इन माताजी के दाहिने हाथ में त्रिशुल और बाये हाथ में कमल-पुष्प सुशोभित है। यही नव दुर्गाओं में प्रथम दुर्गा हैं।

अपने पूर्वजन्म में ये प्रजापति कन्या के रूप में उत्पन्न थीं। तब इनका नाम 'सती' था। इनका विवाह भगवान शंकर के साथ हुआ था। एक बार प्रजापति दक्ष ने एक बहुत बड़ा यज्ञ किया। इसमें इन्होंने सारे देवता को अपना-अपना यज्ञ-भाग प्राप्त करने के लिये आमंत्रित किया। किन्तु शंकरजी को उन्होंने इस निमत्रित नहीं किया। सती ने जब सुना कि हमारे पिता एक अत्यन्त विशाल यज्ञ का अनुष्ठान कर रहें हैं, तब वहां जाने के लिये उनका मन विकल हो उठा। अपनी यह इच्छा उन्होंने शंकर जी को बतायी। सारी बातों पर विचार करने के बाद उन्होंने कहा- 'प्रजापति दक्ष किसी कारणवश रूष्ट है। अपे यज्ञ में उन्होंने सारे देवताओं को निमत्रित कया है। उनके यज्ञ-भाग भी उन्हें समर्पित किये हैं। किन्तु हमें जान-बूझकर नहीं बुलाया है। कोई सूचनातक नहीं भेजी है। ऐसी स्थिति में तुम्हारा वहां जाना किसी भी प्रकार भी श्रेयस्कर नहीं होगा।' शंकरजी के इस उपदेश से सती का प्रबोध नहीं हुआ। पिता का यज्ञ देखने, वहां जाकर माता और बहनों से मिलने की उनकी व्यग्रता किसी प्रकार भी कम न हो सकी। उनका प्रबल आग्रह देखकर भगवान शंकरजी ने उनको जाने की अनुमति दी।

सती ने पिता के घर पहंचकर देखा कि, कोई भी उनसे आदर और प्रेम के साथ बातचीत नहीं कर रहा है। सारे लोग मुंह फेरे हुए हैं। केवल उनकी माता ने स्नेह से उन्हें गले लगाया। बहनों की बातों में व्यंग्य और उपहास के भाव भरे हुए थे। परिजनों के इस व्यवहार से उनके मन को बहुत क्लेश पहुंचा। उन्होंने यह भी देखा कि वहां चतुर्दिक भगवान शंकर जी के पति तिरसकार भाव हुआ है। दक्ष ने उनके प्रति कुछ अपमानजनक वचन भी कहे। यह सब देखकर सती का हृदय क्षोभ, ग्लानि और प्रोध से सन्तप्त हो उठा। उन्होंने सोचा भगवान शंकरजी की बात न मानकर यहां आकर मैंने बहुत बड़ी गलती की है।

वह अपने पति भगवान शंकर के इस अपमान को सह नह सकीं। उन्होंने अपने उस रूप को तक्षण वहीं योगाग्निद्वारा जलाकर भस्म कर दिया। वज्रपात के समान इस दारूण-दुःखद घटना को सुनकर शंकर जी ने व्रुद्ध को अपने शरीर को भस्मकर अगले जन्म में शैलराज हिमालय की पुत्री के रूप में जन्म लिया। इस बार वह 'शैलपुत्री' नाम से विख्यात हुई। पार्वती, हैमवती भी उन्हीं के नाम हैं उपनिषद की एक कथा के अनुसार इन्हेंने हैमवती स्वरूप से देवताओं गर्व-भंजन किया था।

'शैलपुत्री' देवी का विवाह भी शंकर जी से हुआ। पूर्व जन्म की भांति इस जन्म में भी वह शिवजी की अर्द्धांगिनी बनीं। नव दुर्गाओं में प्रथम शैलपुत्री दुर्गा का महत्त्व और शक्तियां अनन्त हैं। नव दुर्गा पूजन में प्रथम दिवस इन्हीं की पूजा और उपासना की जाती है। इस प्रथम दिन की उपासना में योगी अपने मन को 'मूलाधार' चप्र में स्थित करते हैं। यहीं से उनकी योगसाधना प्रारम्भ होती है।

न्यूज ब्रीफ

तीन फरार आरोपियों पर नौ हजार रूपए का ईनाम घोषित

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी ने तीन फरार आरोपियों में 9 हजार रूपए का ईनाम घोषित किया है। थाना भीकनगांव में अपराध क्रमांक 579/21 धारा 25 ए आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। इस प्रकरण के दोनों आरोपियों पर 2-2 हजार रूपए का ईनाम घोषित किया है। इन दो आरोपियों में अशोक पिता प्रतापसिंह सिकलीगर व गोलु पिता दिलीप सिंह सिकलीगर दोनों आरोपी सिगनूर निवासी हैं। इसके अलावा एक अन्य प्रकरण थाना कसरावद में अपराध क्रमांक 421/2020 में धारा 4,6/9 एवं धारा 11 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। इस प्रकरण के आरोपी फारूख पिता कदीर निवासी फरेह जिला मथुरा पर 5 हजार रूपए का ईनाम घोषित किया है। इन तीन प्रकरणों में आरोपियों का बंदी बनाने या धरपकड़ करने में पुलिस की मदद करने वाले व्यक्ति को घोषित ईनाम प्रदान किया जाएगा। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

स्वामित्व योजना ने ग्रामीणजनों को सशक्त बनाया और किया विश्वास पैदा - विधायक डा. पाण्डेय

स्वामित्व योजना के तहत 52 गावों के 15 हजार से ज्यादा ग्रामीणों को अधिकार अभिलेख वितरित किए गए

माही की गूंज , रतलाम।

स्वामित्व योजना ग्रामीण आबादी सम्पत्ति सर्वेक्षण अभियान के तहत बुधवार को रतलाम जिले की जावरा तहसील के 52 गावों के 15 हजार से ज्यादा हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख प्रदान किए गए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के लाइव उदबोधन को देखा व सुना गया। जावरा लहसुन मण्डी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक डा. राजेन्द्र पाण्डेय मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। उनके अलावा श्री के.के. सिंह कालूखेडा, कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, अपर कलेक्टर एम.एल. आर्य, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जमुना भिडे, एसडीएम जावरा हिमांशु प्रजापति तथा हितग्राही उपस्थित थे। कार्यक्रम में हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख अतिथियों के हाथों प्रदान किए गए। तहसील के विभिन्न गांवों में भी कार्यक्रम आयोजित हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख प्रदान किए गए। इस दौरान जावरा विधायक डा. राजेन्द्र पाण्डेय ने अपने सम्बोधन में कहा कि अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीणजनों में एक विश्वास पैदा हुआ है, उनमें क्षमता निर्मित हुई है, अब उनको जरुरत के मुताबिक बैंक ऋण मिल सकेगा। सभी हितग्राहियों को उन्होंने शुभकामनाएं दी। स्वामित्व अभियान की सिलसिलेवार जानकारी प्रदान की। विधायक डा. पाण्डे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ग्रामीण क्षेत्रो के आर्थिक उत्थान एवं सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित हैं। डा. पाण्डे ने कहा कि हर सम्पत्तिधारक को सम्पत्ति का प्रमाण पत्र तथा भूमि स्वामित्व प्राप्त होगा। ड्रोन के माध्यम से कार्य होने के कारण दस्तावेजों का निर्माण शुद्धता एवं शिघ्रता के साथ होगा। सम्पत्ति रजिस्टर तैयार होने से ग्राम पंचायत को स्थायी आय की व्यवस्था भी होगी। के.के.सिंह कालूखेडा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीणजनों के मन में विश्वास पैदा हुआ है, अब उनको कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाना पडेंगे, उनके चेहरों पर मुस्कान आई है।

कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने अपने सम्बोधन में स्वामित्व अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि आबादी का सर्वेक्षण कर केवल उन सम्पत्तियों के अधिकार का दस्तावेज तैयार किया गया है जिनके मालिक म.प्र., भू-राजस्व संहिता 1959 संशोधित लागू होने की दिनांक 25 सितम्बर 2018 को उस आबादी भूमि का उपयोग कर रहे था या जिन्हें उक्त दिनांक के पश्चात् विधिपूर्वक आबादी भूमि में भूखण्ड का आवंटन किया गया। पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव और कोटवार घर-घर जाकर सम्पत्ति अधिकार के दस्तावेज में प्लाट की जानकारियां भरेंगे। हर प्लाट का उपयोग करने वाले परिवार के मुखिया का नाम, सम्पत्ति अधिकार के दस्तावेज पर लिखा जाएगा। कलेक्टर ने आगामी 1 नवम्बर से आरम्भ होने वाले राजस्व अभियान की भी जानकारी दी।

अजीबो गरीब मामला...

पुलिस के सामने पुलिस की शिकायत, रतलाम एएसपी की जनसुनवाई मे आवेदक ने कहा रुपए दिलादो साहब

माही की गूंज ,रतलाम।

रतलाम पुलिस के सामने पुलिस की ही शिकायत पंहुची। जनसुनवाई में ऐसे दो मामले आए। काम के बदले रुपए नहीं देने और दूसरे में मांगने की शिकायत है। एएसपी सुनिल पाटीदार ने अधिकारियों को तलब किया। मंगलवार को हुई जनसुनवाई में कई आवेदक जमीन, पारिवारिक विवाद सहित मसलें लेकर पहुंचे , जिन पर एएसपी ने सुनवाई की। पुलिस की ही शिकायत का पहला मामला रावटी थाना क्षेत्र से आया। हेमंत टेंट-हाउस संचालक लालचंद जनसुनवाई में पंहुचा। बताया कि गांव गुंदीपाड़ा में हत्याकांड जांच में पुलिस कई दिन वहां तैनात रही। टेंट का सामान उस से लिया गया। एक बिल 28 हजार, दूसरा 21 हजार का बना। करीब 50 हजार के बिल के लिए रावटी थाने के चक्कर काट रहा है। हेमंत टेंट-हाउस संचालक लालचंद ने बताया थाने से हर बार बिना भुगतान लौटा दिया जाता है। एएसपी ने आवेदन सुनते ही रावटी थाने पर फेन लगाया। उन्होंने भुगतान में देरी का कारण पूछा। बिल सही होने पर भुगतान करने के आदेश दिए,

एक अन्य षिकायत एसआई मांगता है रुपये

जनसुनवाई में पुलिस की दूसरी शिकायत आई जिसमे शिकायतकर्ता शाहरुख मंसूरी शिकायत लेकर पंहुचा, सातरूंडा निवासी मंसूरी ने एएसपी को बताया कि उसकी भंगार की दुकान है। गांव में ही वह 6 साल से दुकान चलाता है। वहां पदस्थ एएसआई लोकेंद्रसिंह डामोर उससे रुपए मांगता है। धमकी दी जाती है कि रुपए नहीं देने पर दुकान नहीं चलने देगा। आवेदक ने फोन पर रिकार्ड की गई आवाज भी सुनाई। इसमें पुलिस अधिकारी द्वारा धमकाने का दावा किया। एएसपी ने शिकायत सुनते ही एसआई को तलब किया । पुलिस की जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को एसपी ऑफिस में संपन्न हुई। इस दौरान एएसपी सुनील पाटीदार द्वारा आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित को निराकरण के निर्देश जारी किए।गौरतलब है की कोरोना की वजह से बंद जनसुनवाई को मध्यप्रदेश सरकार ने फिर से शुरू किया है।

छेड़छाड़ का मामला दर्ज होने के बाद ही मिला युवक का शव हत्या या आत्महत्या...? पुलिस जुटी जांच में

माही की गूंज , रतलाम।

जिले के कालूखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम रानीगांव निवासी महिला ने मंगलवार को छेड़छाड़ को मामला पंजीबद्ध करवाया , पुलीस द्वारा मामला रानीगांव निवासी घनश्याम दडिंग के विरुद्ध पंजीबद्ध किया गया, महिला ने बताया कि 30 सितंबर को युवक द्वारा छेड़छाड़ की गई थी जिस पर महिला अपने परिजनों के साथ जाकर थाने पर मामला दर्ज करवाया, कालूखेड़ा पुलिस ने बताया कि एक महिला आई थी जिसके साथ छेड़छाड़ की गई ओर युवक द्वारा एक मोबाइल उसे दिया गया था जिसको पुलिस ने जप्त कर लिया है और युवक के विरूद्ध 354, 354 बी व 506 में मामला दर्ज किया गया था लेकिन शाम होते होते युवक दडिंग कि की लाश मिली जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। रानीगांव निवासी घनश्याम दडिंग एक दिन पहले से घर से गायब था, युवक की शादी लगभग 8 साल पहले हुई और उसके 2 बच्चे भी है , दडिंग की लाश भावगढ़ थाना अंतर्गत बेहपुर की पहाड़ी के पास में राहगीरों को दिखी तो तत्काल भावगढ़ थाने पर सूचना दी गई, जहा मोके पर भावगढ़ पुलिस ने लाश की शिनाख्त घनश्याम दडिंग निवासी रानीगांव की जिसकी परिजनों को सूचना दी गई, बुधवार को म्रतक जा पीएम करवाकर शव परिजनों सोप दिया जहा उसका अंतिम संस्कार किया गया, पुलिस ने बताया हमारे पास जानकारी आई थी तो हमारी टीम मौके पर पहुंची और युवक की शिनाख्त की उसके बाद उसे हॉस्पिटल पीएम के लिए भेजा गया अभी इस पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है। पूरे मामले के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चाओं का दौर है वही अभी पुलिस भी मामले में कुछ भी बता नही पा रहे अभी क्षेत्र में हत्या की आशंका ने जोर पकड़ा हुवा है।

मेवाड़ा कलाल समाज के बैनर तले सर्व समाज ने किया रक्तदान

माही की गूंज, कूशलगढ़ (राज.)।

जिले में रक्त की कमी को देखते हुए मेवाड़ा कलाल समाज के युवा कार्यकारिणी के अध्यक्ष कोतुल पडियार के नेतृत्व में कुशलगढ़ के मां भारती महाविद्यालय में स्व. पायल पडियार ओर सोरभ पडियार की स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया आयोजन का शुभारंभ मां भारती महाविद्यालय के डायरेक्टर करणी सिंह राठौर तथा रोटरी क्लब के धर्मेन्द्र कंसारा, प्रतिक मेहता सहित पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। जिसके बाद में महात्मा गांधी चिकित्सालय की टीम ने रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले रक्तदाता से रक्त लेने में जुटी। वही नौजवानों सहित महिलाओं ने भी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। युवा मेवाड़ा कलाल समाज के अध्यक्ष कोतुल पडियार ने रक्तदान की महत्ता बताते हुए बताया कि, रक्त कहीं बनाया नहीं जा सकता जिसको जरूरत होती है व रक्त की महत्ता जानता है। इसलिए मेवाड़ा कलाल समाज कुशलगढ़ परीक्षेत्र ने इस विशाल शिविर को सर्व समाज के लिए आयोजित किया व यह शिविर सफल भी हुआ। सर्व समाज ने बढ़ चढ़कर इस शिविर में रक्तदान कर अपनी भूमिका अदा की। शिविर में कुल 75 यूनिट रक्तदान हुआ। इस दौरान समाज के उपाध्यक्ष राजेश सोलंकी, लीला पडियार, राहुल भटेवरा, कीर्तिश पडियार, आनंदीलाल बसेर, प्रितेश पडियार, नितिन सोलंकी, मोहित पटेल, नवीन पटेल सहित कई लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी समाज के प्रवक्ता ओर मिडिया प्रभारी नितिन झाकरोद ने दी।

जयस ने भील राणा पुंजा और रानी दुर्गावती की पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई

माही की गूंज , पेटलावद/रायपुरिया।

मंगलवार को रायपुरिया मे क्रांतिकारी योद्धा भगवान भील पुंजा जी होलँकी एवं गोंडवाना की रानी दुर्गावती जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई जिसमे पेटलावद क्षेत्र के जयस युवा कार्यक्रम शामिल हो कर सफल बनाया और संकल्प लिया कि वीर योद्धा क्रांतिकारी पुंजा भील जी द्वारा दिया गया बलिदान त्याग हम हमेशा याद रखेंगे आने वाली पीढ़ियों को बताएंगे ।

सभी साथियों ने अपने अपने विचार रखें ।

इस अवसर पर युवा ईश्वर भाई युवाओं को बताया कि आज के समय मे सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी शिक्षा और स्वास्थ्य का है इसलिए सभी युवा रोजगार की ओर ध्यान दे सरकार से लोन देने की भी अपील की ताकि युवा आत्मनिर्भर बन सकें । धर्मेंद्र डामोर ने बताया कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना समाज मे आज सबसे ज्यादा नशा करते हैं जिसके कारण पूरे के पूरे घर बर्बाद हो जाते हैं तो सभी युवा शराब पर प्रतिबंधित लगाए जिससे घर का नुकसान भी नही हो घर में आमदनी भी बड़े । युवा सन्दीप ने बताया कि आज समाज में सबसे बड़ा मुद्दा है बालविवाह इसमें सुधार होना चाहिए आज नाबालिक लड़के लड़कियां की शादी कर देते हैं और जिनके कारण नाबालिक लड़कियों के बच्चे हो जाते हैं और वो बच्चें कुपोषण के शिकार हो जाते हैं इसलिए सबसे पहले हम गांव में ये मुहिम चलाकर जागरूक करें कि ऐसा ना करें । कार्यक्रम में उपस्थित कान्तिलाल गरवाल , धर्मेंद्र डामोर , ईश्वर लाल गरवाल , थावरसिंह सोलंकी , सन्दीप वसुनिया, विजय गामड़, सचिन गामड़ , दसरथ बारिया, खुशाल भाभर, सुरेश भाभर, मुकेश भाभर , सुरेश हटिला , धनराज मेड़ा , प्रदीप गणावा , अमरसिंह वसुनिया, भूरालाल पारगी, अनिल निनामा, समीर निनामा, माईकल मुणिया एवं समस्त आदिवासी परिवार के साथी उपस्थित रहें आभार व्यक्त थावरसिंह सोलंकी ने किया।

एसडीएम द्वारा की कार्रवाई में 8 ट्राली रेती जप्त, जेसीबी, ट्रैक्टर पकड़े

गुप्त शिकायतों के आधार पर की जा रही माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई प्रशासन की हो रही प्रशंसा

माही की गूंज ,रतलाम ।

रतलाम जिले में माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई में तेजी लाई गई है। आमजन द्वारा दी जा रही गुप्त सूचनाओं एवं शिकायतों के आधार पर विभिन्न माफियाओ पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। रविवार को सैलाना एसडीएम श्रीमती कामिनी ठाकुर द्वारा कार्रवाई करते हुए बाजना क्षेत्र की माही नदी पर रेत के अवैध उत्खनन में कार्रवाई की गई। प्रकरण में एक जेसीबी तथा आठ ट्रैक्टर-ट्राली के साथ 8 ट्राली रेती भी जप्त की गई। इस दौरान कार्रवाई में राजस्व तथा पुलिस का अमला सम्मिलित रहा। ज्ञातव्य है कि जिला प्रशासन द्वारा मिलावट या माफिया संबंधी सूचना देने के लिए संपर्क नंबर जारी किए गए हैं। मोबाइल नंबर 93293 08361 तथा लैंडलाइन नंबर 07412-270401 पर दी जा रही सूचनाओं के आधार पर प्रशासन कार्यवाही कर रहा है। प्रशासन द्वारा जारी नंबरों पर मिलावट के विरुद्ध सूचना दी जा सकती है। अवैध कॉलोनाइजर, रेत का अवैध उत्खनन परिवहन, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण या इसी प्रकार के अन्य मामलों में कार्रवाई हेतु सूचना दी जा सकती है।

भू-माफिया पर कार्रवाई में किसी भी प्रकार के दबाव से डरने की आवश्यकता नहीं - कलेक्टर

माही की गूंज, मंदसौर।

कलेक्टर गौतम सिंह की अध्यक्षता में सभी राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि, भू माफियाओं पर कार्रवाई के दौरान अगर कोई निर्माण कार्य अवैधानिक हो, तो किसी भी प्रकार के दबाव से डरने की आवश्यकता नहीं है। अगर कोई अधिकारी गलती से पेंशन या अनुकंपा प्रकरण रोकता है तो इसकी तनख्वाह तुरंत रोकी जाए। इस संबंध में सभी एसडीएम भी विशेष तौर पर ध्यान दें। अगर कोई तहसीलदार या नायब तहसीलदार इस तरह के लंबित प्रकरण रखता है, तो संबंधित की तनख्वाह रोकने के लिए एसडीएम कार्यवाही करें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर आरपी वर्मा सभी एसडीएम तहसीलदार नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि, आम जनता के सभी कार्यों को तत्परता से पूर्ण करें। उसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश नहीं की जाएगी। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारियों के पास किसी भी प्रकार की टीएल लंबित नहीं होना चाहिए। जबकि सभी का समय पर समाधान होना चाहिए। नवरात्रि के दौरान होने वाली भीड़ का विशेष तौर पर ध्यान रखें। जहां पर ज्यादा भीड़ एकत्रित होती है। वहां पर एसडीएम खुद जाए तथा व्यवस्था को देखें। बैठक के दौरान गरोठ एवं सीतामऊ एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा, कि भू माफिया के संबंध में इन दोनों क्षेत्र में कम कार्यवाही हुई हैं। इसके लिए नए सिरे से चिन्हित कर बेहतरीन कार्यवाही करें। साथ ही कार्यवाही में किसी प्रकार की देरी ना करें। गरोठ, भानपुरा एवं शामगढ़ में ऑक्सीजन प्लांट तो तैयार हो गए हैं, लेकिन अस्पताल तक कैसे ऑक्सीजन ले जाए। इस पर अभी तक कार्य नहीं किया गया है। इस संबंध में एसडीएम तुरंत ध्यान दें तथा आगे का कार्य करवाएं। जिससे ऑक्सीजन प्लांट का सही सदुपयोग हो सके। फसल नुकसानी के संबंध में सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देश देते हुए कहा कि समय पर किसानों का सर्वे हो तथा जिसको नुकसान हुआ है उसको मुआवजा मिलना चाहिए। इस बात पर विशेष तौर पर ध्यान दें कि कोई शिकायत करें, उससे पहले संबंधित को मुआवजा मिल जाना चाहिए। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही ना करें। साथ ही सभी राजस्व अधिकारी फील्ड में भी देखें।

आबकारी विभाग का कंट्रोल रूम स्थापित

माही की गूंज, अलीराजपुर। विधानसभा क्षेत्र 192 जोबट में संपन्न होने वाले विधानसभा उप निर्वाचन 2021 के दौरान आबकारी अपराधों से संबंधित अवैध गतिविधियों यथा मदिरा, ताडी के अवैध निर्माण, धारण, परिवहन, विक्रय आदि पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से कंट्रोल रूप स्थापित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प के दिशा निर्देशन में उक्त कंट्रोल रूम एवं दलों का गठन किया गया है।

उक्त संबंध में जानकारी देते हुए जिला आबकारी अधिकारी बृजेन्द्र कोरी ने बताया, यह कंट्रोल रूप 24म7 कार्य करेंगा। उक्त कंट्रोल रूम के प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश मंडलोई को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया, संबंधित वृत प्रभारियों के नाम एवं संपर्क नं. मदिरा दुकानों पर पारदर्षिता किए गए है। जिसके तहत तहसील स्तर पर तीन उडन दस्ता दलों का गठन किया गया है। इसमें जोबट एवं उदयगढ हेतु उडनदस्ता क्रमांक एक जिसके प्रभारी आबकारी उप निरीक्षण संजय कवारे तथा इनके सहायक आबकारी मुख्य आरक्षक शैलेन्द्र रावत एव अमानुल्ला खान रहेंगे। चन्द्रोखर आजाद नगर एवं कड्डीवाडा हेतु उडनदस्ता क्रमांक दो जिसके प्रभारी आबकारी उप निरीक्षण गंभीरसिंह वास्कले है। इनके सहायक आबकारी आरक्षक शंकरलाल लच्छेता, लालचंद्र गेहलोद एवं हितेन्द्र चावडा रहेंगे। अलीराजपुर एवं सोंडवा क्षेत्र हेतु उडनदस्ता क्रमांक तीन जिसके प्रभारी आबकारी उप निरीक्षण कु. तृप्ती आर्य है। इनके सहायक आबकारी आरक्षक कालूसिंह बघेल, अमित खन्ना एवं जगदीश खेडे रहेंगे।

सामाजिक कुरीतियों को जड़ से मिटाने की जरूरत

क्यों नही लग रहा दहेज प्रथा पर अंकुश...?

माही की गूंज, अलीराजपुर।

दहेज प्रथा व पुराने गलत रीति-रिवाजों को छोड़कर अब हम समाज को उस नई दिशा में ले जाने का प्रयास करे, जहां शिक्षा के बल पर हमारी पहचान बने। समाजसेवा के क्षेत्र में कुछ नया करें, समाज को जागरूक करने की दिशा में कुछ ऐसे कदम उठाएं जिससे सभी शिक्षित होकर राष्ट्र में अपना नाम रोशन कर सकें। हर समाज कुछ न कुछ सामाजिक बदलाव कर चुकी है और कुछ करने वाली है। सभी समाजों में सबसे ज्यादा शिक्षा व महिलाओं को समाज में पुरुषों की तरह सम्मान देने को लेकर बदलाव किए गए है। कुछ समाजों ने दहेज लेना देना बंद कर दिया है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि समाज में सभी वर्ग के लोग खुशी जाहिर कर सके व अमीरी-गरीबी का भेदभाव दूर हो।

मोहन शांतिलाल पटेल प्रजापति पटेल एवं प्रजापति समाज जिला उपाध्यक्ष ने बताया कि, सरकार ने दहेज प्रथा को रोकने के लिए कानून तो बना दिया, लेकिन उदासीनता के चलते जमीनी स्तर पर पालन नहीं किया जाता है। ऐसे में दहेज के लोभी कानून के शिकंजे से बचने में कामयाब हो जाते हैं। इस कुरीति के दलदल में ग्रामीण ही नहीं शहरी पढ़े लिखे लोग भी धंसे हुए हैं। वर्तमान में दहेज प्रथा ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया है इसको रोक पाना दूभर हो रहा है। इसको रोकने के लिए स्वयं महिलाओं को जागरूक होने के साथ ही दूसरों को भी सचेत करना जरूरी है।

दहेज की मांग को लेकर हुई थी सकल पंच की बैठक

मोहन शांतिलाल पटेल प्रजापति पटेल ने यह भी बताया कि, प्रजापति समाज में बेटे-बेटियों के विवाह में पुरानी रीति अनुसार जो हमारे बुजुर्गों के समय से चली आ रही दहेज प्रथा आज से लगभग चालीस से पचास वर्ष पूर्व 300 से 400 रुपए थी। जो धीरे-धीरे लोगों की लालच के बढ़ने से यह राशि बढ़कर लाखों में चली गई। उसके पश्चात इस दहेज की सीमा को अंकुश लगाने के लिए समाज के कुछ वरिष्ठ एवं बुद्धिजीवी लोगों ने राणापुर सीतला माता मन्दिर प्रांगण पर आज से 18 वर्ष पूर्व एक सकल पंच की बैठक की गई थीं।

बैठक में पूरे परगने के गावों से पंच और उनके पटेल को आमंत्रित किया गया था। जिसमें राणापुर के गणेश पटेल, अलिराजपुर के शांतिलाल पटेल, नारायण पटेल, जोबट के सबुर पटेल, मेघनगर के खुसाल पटेल, नानपुर के बाबूलाल पटेल, भाभरा के लूणाजी पटेल, आम्बुआ के फक्कीरा पटेल, उमराली के रमण पटेल, बोरी के पुना पटेल, कल्याणपुरा के शांतिलाल पटेल, बोरझाड़ के नारायण पटेल, खट्टाली के मदन पटेल, झाबुआ पटेल, हरीनगर, बरझर, परवलिया, पिटोल, कुंदनपुर, मदरानी, थांदला, काकनवानी, आदि सभी के पटेल एवं पंच के वरिष्ठ लोगों द्वारा सर्व सम्मति से दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के लिए इसका 21 हजार रुपए निश्चित किया था। लेकिन पिछले पांच से सात वर्षों से लगातार लोगों की लालच बढ़ने लगीं और समाज के कुछ लोगों के द्वारा आज दहेज को 8 से 10 लाख रुपए पहुचा दिया गया हैं। ये लालच ये कुरीति एक आग की तरह पूरे प्रजापति समाज में फेल गई हैं जो हमारे समाज के गरीब और निर्धन लोगों को पूरी तरह बर्बाद करने के मौड़ पर खड़ी हैं। अभी भी वक्त हैं इसे रोका जाए।

दहेज प्रथा को जड़ से मिटाना

मोहन शांतिलाल पटेल ने बताया कि, दहेज प्रथा को अब जड़ से मिटाने का समय आ चुका हैं। अब एक कदम भी पीछे नहीं हटाना हैं। आज हमारे समाज के सभी युवाओं के द्वारा जो दहेज़ उन्मूलन के लिए कदम उठाने की बात को लेकर में बहुत उत्सुक हूं और उनका अभिनंदन करता हूं और हर संभव प्रयास का आश्वासन देता हूं।

रात्रि में बारिश, सुबह कोहरा, दिन में तेज धूप से गर्मी

समझ से परे हो रहा है मानसून का मिजाज

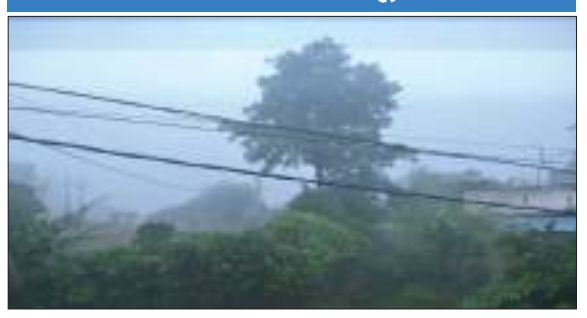

माही की गूंज आम्बुआ।

सितंबर माह का अंतिम सप्ताह बारिश के विदा होने का रहता है, अभी अक्टूबर माह में ही कुछ दिनों तक वर्षा होती रही है। इस वर्ष जून से लेकर अभी तक बरसात के मौसम का मिजाज समझ से परे रहा है। जब तेज वर्षा की भविष्यवाणी होती है, तब तेज धूप के दर्शन होते है। अभी भी शाम तथा रात्रि में तेज वर्षा हुई तो सुबह पूरा कोहरे की घनी चादर में लिपटा दिखा तो दिन में तेज धूप ने उमस बढ़ा दी। मौसम के जानकारों ने इस वर्ष जब भी बरसात के मौसम की भविष्यवाणी की तब-तब वह सच साबित नहीं हुई, जब भी घनघोर वर्षा की चेतावनी आई तब-तब क्षेत्र में तेज धूप दिखाई दी, जब बारिश नहीं होने की संभावना व्यक्त की गई तब-तब वर्षा हुई। सितंबर का अंतिम तथा अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में वर्षा विदा होने का समय माना जाता है, इस वर्ष वर्षा के मौसम का मिजाज समझ से परे लग रहा है। माह के प्रथम सप्ताह मे आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्र में कुछ समय तक बारिश हुई मगर सुबह चारों तरफ अंधेरा छाया दिखा, वातावरण में चारों तरफकोहरा छा गया यह इतना गहरा की 5-10 फीट तक भी कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, वाहन चालकों तथा सुबह पैदल घूमने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वही दिन चढने के साथ आसमान पर सूरज की तेज धूप निकली तथा इस धूप के कारण दिनभर उमस और गर्मी से लोग परेशान रहे। जानकारों के अनुसार घना कोहरा तथा ओस गिरना वर्षा की विदाई का संकेत है मगर अभी भी यह मौसम क्या रूप दिखा जाए यह कहना मुश्किल होगा। साथ ही आगामी समय में मौसम का यह परिवर्तन बीमारियों को भी बढ़ा सकता है। ठंडा-गरम होता मौसम मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, तथा कोरोना जैसी बीमारियां बढ़ा सकता है।

मंसुरी समाज ने यूपीएससी में सफलता प्राप्त करने वाली सुश्री गुप्ता का किया स्वागत

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर की होनहार बिटिया राधिका गुप्ता पिता प्रहलाद गुप्ता की गौरवशाली उपलब्धि पर मंसुरी समाज द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

यूपीएससी परीक्षा में 18वीं रैंक प्राप्त करने वाली अलीराजपुर निवासी सुश्री राधिका गुप्ता ने पुरे अलीराजपुर जिले को गौरवान्वित किया है और सुश्री राधिका गुप्ता का स्वागत सत्कार पुरे नगर में किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंसुरी समाज द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम मे मंसूरी समाज के अध्यक्ष अज़हर चंदेरी ने सुश्री राधिका गुप्ता को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया और बताया कि, राधिका गुप्ता आज के युवाओं की आदर्श बन कर सामने आई है। यदि हम चाहे तो हमारे घर से भी राधिका निकल सकती है लेकिन उसके लिए हमें हमारे बच्चो को पढ़ना पढ़ेगा अच्छी से अच्छी शिक्षा देना पड़ेगी। साथ ही समाज के अध्यक्ष ने बताया कि, हमारी बहन राधिका गुप्ता के पालक भी बधाई के पात्र है जिन्होंने अपनी बेटी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए घर से सेकड़ो किलोमीटर दूर रखा और इसी कुर्बानियो का नतीजा है कीआज बहन राधिका ने एक कीर्तिमान स्थापित किया।

कार्यक्रम को इसामुद्दीन कांट्रेक्टर व मोहम्मद हुसैन मंसूरी ने सम्बोधित करते हुए सुश्री राधिका गुप्ता को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और साथ ही उनके द्वारा की गई दिन रात मेहनत लगन की सराहना की।

ततपश्चात सुश्री राधिका गुप्ता के काका नंदू गुप्ता ने कहा कि, हमें हमारे बच्चो को पढ़ाना चाहिए और यदि कोई बच्चा पढ़ने लिखने मे रूचि रखता है और उसे पढ़ाई लिखाई मे किसी तरह की दिक्कत आती है तो मेरा पूरा परिवार तन मन धन से उसका साथ देगा। कार्यक्रम के अंत मे सुश्री राधिका गुप्ता द्वारा बच्चो को खूब पढ़ाने की अपील की और बताया के पढ़ाई से आपकी किस्मत बदल सकती है। आप हर वो मक़ाम को पा सकते है। पढ़ाई लिखाई के नाम पर खर्च करने से परहेज ना करे। आपके द्वारा किया गया खर्च व्यर्थ नहीं जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित, हाजी इकबाल हुसैन, अफज़ल मंसूरी (जेल), फिरोज बाऊजी, सादिक चंदेरी, अजहर चंदेरी (सोनू), हाजीअमजद मंसुरी, इरशाद चंदेरी, कलाम चंदेरी, मोहम्मद हुसैन पाकीजा, पत्रकार इरशाद मंसुरी, फिरोज मंसुरी (बडू), नोशाद चंदेरी, यूसुफ मंसूरी, ईसुफ पाकीजा, परवेज मंसुरी, बब्बू मंसूरी, सरफ़राज मंसुरी (भय्यू), शकील मंसूरी (बाबा), बब्बू मंसुरी (मालवा बैटरी), मोहसिन मंसुरी, मोइनुद्दीन मंसूरी (लालू), साजिद मंसूरी, जिहाल मंसूरी, सानू मंसूरी, जावेद मंसुरी (डीजे) आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन इरशाद चंदेरी ने किया। आभार अय्यूब भाई मंसूरी (जल संसाधन विभाग) ने माना।

मुंबई के होटल ताज में हुआ झाबुआ-अलीराजपुर जिले की पहली नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी का शुभारंभ

माही की गूंज, झाबुआ/अलीराजपुर।

जिले की प्रथम नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी का थांदला के युवा एवं कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर मयंक पावेचा ने मुंबई के प्रसिद्ध गेटवे ऑफ इंडिया के सामने स्थित प्रसिद्ध होटल ताज महल में आयोजित सोशल फ्लाई मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड शुभारंभ एवं लॉन्चिंग समारोह ÷हौसलो की उड़ान÷ कार्यक्रम में किया गया। कंपनी के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध टीवी सीरियल के प्रमुख किरदार टप्पू उर्फ भव्य गांधी द्वारा कंपनी के प्रथम प्रोडक्ट का विमोचन किया। कार्यक्रम में थांदला, झाबुआ, अलीराजपुर सहित पूरे मध्यप्रदेश एवं देश के विभिन्न प्रदेशों गुजरात, राजस्थान से आए सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। जिन्हें एमडी मयंक पावेचा द्वारा अपने-अपने स्थानों से वोल्वो बस के माध्यम से मुंबई के आयोजन में लाया गया।

सपनों को पूरा करने का सुनहरा अवसर

आयोजन को संबोधित करते हुए एक्टर भव्य गांधी ने कहा कि, सोशल फ्लाई कंपनी नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों के सपने पूरे करने के लिए बनाई गई कंपनी है, और कंपनी के एमडी का जो जबरदस्त प्लान है। उसे देखते हुए लगता है की बहुत जल्दी है। भारत की नामी-गिरामी नेटवर्क मार्केटिंग कंपनियों में से एक होगी। साथ ही अपनी सफलता की कहानी बताते हुए बताया कि, मैं आज जो भी हूं उसका श्रेय अपने माता-पिता को देता हूं। कंपनी ने मुझे अपने शुभारंभ एवं प्रोडक्ट लॉन्चिंग के अवसर पर सम्मिलित होने हेतु बुलाया एवं कंपनी की 0 प्रतिशत प्रॉफिट पॉलिसी को देखकर अपने आप को इस आयोजन में उपस्थित पाकर सौभाग्यशाली मानता हूं। साथ ही कंपनी के आगामी बिजनेस मीटिंग टूर पर भी आप लोगों के साथ में रहूंगा। अवसर पर भव्य गांधी का स्वागत एवं स्मृति फोटो फ्रेम कंपनी के डायरेक्टर शशांक पोरवाल एवं सम्यक मेहता द्वारा भेंट की गई।

कंपनी का उद्देश्य

कंपनी के एमडी मयंक पावेचा ने अपने जोशीले अंदाज में कंपनी की पूरी स्कीम प्लान एवं नेटवर्क को को मजबूत करने के लिए किस तरह कार्य किया जाएगा। पूरी रूपरेखा विस्तार से बताई जिस से प्रेरित होकर आयोजन समाप्त होने के पूर्व ही कई नेटवर्क में लोगों ने जुड़कर अपनी सहमति दी। साथी इन्वेस्ट करने के लिए भी कई इन्वेस्टरो ने प्रस्ताव रखा । साथ ही मयंक पावेचा ने बताया कि कंपनी भविष्य में एक सर्व सुविधा युक्त हॉस्पिटल का निर्माण भी करेगी।

आयोजन में अतिथि के रूप में बिजनेसमैन राघव पटेल जिन का बिजनेस दुनिया के 18 देशों में फैला हुआ है, उन्होंने भी लॉन्चिंग के अवसर पर कंपनी की भावी रूपरेखा को देखते हुए बताया कि, कंपनी का प्लान जिस तरह से तैयार किया गया है निश्चित ही कंपनी एक वर्ष के अंतर्गत ही नई ऊंचाइयों को छुएगी। कार्यक्रम के पश्चात आए सभी नेटवर्करो को मुंबई दर्शन भी कंपनी द्वारा करवाया गया। कार्यक्रम का संचालन शाहिना खान एवं आभार सम्यक मेहता एवं शशांक पोरवाल ने किया।

जिला समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में जिला समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई। बैठक में सभी ब्लॉक के द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिया गया। जिसमें माह अप्रैल से सितम्बर 2021 तक के सभी कार्यों का विवरण पीपीटी के माध्यम से दिया एवं कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु आगामी कार्य योजना हेतु चर्चा की गई।

इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

राज्य स्तर से दिए गए टारगेट के अनुसार परामर्शदाता के मासिक टारगेट हेतु चर्चा की गई कोविड टीकाकरण हेतु चर्चा की गई।

मास्टर प्रशिक्षकों के द्वारा फिल्ड भ्रमण संबंधी ओर साथिया ओर बिग्रेड की सत प्रतिशत उपस्थित के बारे में चर्चा की गई।

बच्चों में लगने वाले टिके के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। साथ ही जिन क्षेत्र में कोविड टीकाकरण का प्रतिशत कम है उसे बढ़ाने हेतु ओर कोविड टीकाकरण करवाने हेतु एवं कोवीड टीकाकरण में सहयोग की अपेक्षा जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा की गई। इसके साथ ही कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत साथिया प्रशिक्षण भी संचालित किया गया। जिसमें साथियों को कुष्ठ रोग की जानकारी दी गई एवं उन्हें इस हेतु कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। साथिया का चयन मास्टर प्रशिक्षकों के द्वारा किया गया जो इस कार्यक्रम में कार्य करेंगे। समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत सभी परामर्शदाता मास्टर प्रशिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन जिला समन्वयक भूपेंद्र मंडलोई एवं परियोजना समन्वयक शाकिर खान के द्वारा किया गया। बैठक के अंत मे जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा सभी को संपूर्ण टीकाकरण करवाने हेतु शपथ दिलवाई गई।

जोबट में मतदाता जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प के मार्गदर्शन में विधानसभा जोबट के उप निर्वाचन 2021 के तहत स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत जोबट में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। उक्त मतदाता जागरूकता रैली को रही झंडी एसडीएम जोबट श्यामबीरसिंह ने दिखाकर रवाना किया। उक्त मतदाता जागरूकता रैली थाना परिसर जोबट से प्रारंभ होकर, बाग रोड, पुराना बस स्टैंड, मुख्य मार्ग होते शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण में समाप्त हुई। रैली में बडी संख्या में अधिकारी-कर्मचारीगण, स्कूली विद्यार्थी, नेहरू युवा केन्द्र के वालेन्टीयर्स आदि उपस्थित थे। मतदाता जागरूकता रैली में सम्मिलित विद्यार्थी हाथों में मतदाता जागरूकता संबंधित नारे लिखी तख्तियां थामें चल रहे थे। सभी ने जोरदार नारों के माध्यम से 30 अक्टूबर 2021 को विधानसभा उप चुनाव के मद्देनजर मतदान की अपील क्षेत्र के मतदाताओं से की। मतदाता जागरूकता रैली में पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए सभी ने मतदान दिवस पर निर्भिक, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान प्रक्रिया में सहभागिता की अपील की।

थाना परिसर में मतदाता जागरूकता रैली को संबोधित करते हुए एसडीएम श्री सिंह ने सभी से आह्वान किया कि, मतदाता जागरूकता के उक्त प्रयासों को लगातार जारी रखते हुए प्रत्येक व्यक्ति अपने परिवार एवं आसपास के मतदाताओं से मतदान दिवस पर मतदान करने की अपील करें। सार्थक लोकतंत्र में मतदान सभी का कर्तव्य और अधिकार है। उन्होंने उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों से मतदाता जागरूकता अभियान को सार्थक बनाते हुए आमजन को जागरूक करने के प्रयासों को बल देने की बात कही। मतदाता जागरूकता रैली में डीपीसी डॉ. द्विवेदी, डीईओ श्री सोलंकी, जिला खेल अधिकारी सुश्री संतरा निनामा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री एके जैन, जनपद पंचायत सीईओ जोबट श्री लक्ष्मणसिंह राठौर सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पटेल को टिकट मिलने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

आम्बुआ आगमन पर हुआ भव्य स्वागत, आतिशबाजी कर मुंह किया मीठा

माही की गूंज, आम्बुआ।

विधानसभा क्षेत्र जोबट के उप चुनाव हेतु कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में मंगलवार को जैसे ही महेश पटेल के नाम की घोषणा की गई पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष छा गया। महेश पटेल के आम्बुआ आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। खुशी व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की तथा मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया, साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेता का आभार माना।

उप चुनाव की घोषणा के बाद से कांग्रेस पार्टी में किसे प्रत्याशी बनाया जाएगा, इस पर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की नजर बनी हुई थी। गहन मंथन तथा गोपनीय सर्वे के आधार पर कांग्रेस आलाकमान ने अंततः 5 अक्टूबर को अलीराजपुर के कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश पटेल के नाम की हरी झंडी दे दी। मोबाइल पर जैसे ही टिकट मिलने का संदेश मिला कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त हो गया। महेश पटेल तथा अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल जो कि जोबट प्रवास पर थे, लौटते समय आम्बुआ आने पर कार्यकर्ताओं ने जोश में नारे लगाते हुए भव्य स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर श्री पटेल का मुंह मीठा कराया। श्री पटेल ने भी उपस्थित सभी कस्बाई एवं ग्रामीण क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा किया।

टिकट मिलने के बाद प्रथम उध्बोधन मे श्री पटेल ने कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, जोबट विधानसभा प्रभारी रवि जोशी एवं कांतिलाल भूरिया का आभार माना तथा कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर चुनाव मैदान में जुट जाने की अपील की। स्वागत कार्यक्रम में अजमेर सिंह रावत, नारायण चौहान, डॉ. राजेंद्र सिंह राठौर, अमान पठान ने दी एकजुटता के साथ कार्य करते हुए श्री पटेल को विजय दिलाने हेतु मैदान में उतरने का आह्वान किया। स्वागत कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष ओम राठौड़, सुमित कटारिया, रमेश रावत, गोपाल चौहान, हाशिम अली, रूम सिंह भूरिया, मोगली खान, सारिक खान, चुनिया भाई, मुस्तु भाई वसीम बलोच, मुफज्जल भाई, अमजद खान के अतिरिक्त बोरझाड, आम्बुआ, कोटबू, खंडाला, हीरापुर, मालदेव, अडवाड़ा, झोरा आदि अन्य क्षेत्र के ग्रामीण कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रशासन ने किया चैक पोस्ट का निरीक्षण

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने जोबट विधानसभा उप निर्वाचन 2021 के तहत चेकपोस्ट कदवाल बड़ी का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने आने-जाने वाले वाहनों की जांच तथा सघन चैकिंग संबंधित दिषा निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम जोबट श्यामबीर सिंह, एसडीओपी दिलीप बिलवाल, नायब तहसीलदार निर्भय सिंह पटेल, राजस्व निरीक्षक पंकज चौहान, हल्का पटवारी, पुलिस बल आदि उपस्थित थे।

अन्य जिलों में होती है कार्रवाई, झाबुआ जिले में होती है बड़ी सेटिंग...

मुंह में चांदी का चम्मच देने और मांग भरने की चल पड़ी है परम्परा

तहसीलदार व उसके निचले स्तर के अधिकारी ही कार्रवाई के नाम पर करते औपचारिकता, उच्चाधिकारियों की कार्रवाई से दूरी संदेहास्पद

अज्जू के अड्डे सागर होटल के समीप अब भी बदस्तूर जारी है अवैध डीजल का गौरखधंधा।

युसूफ ने पिटोल स्थित राजस्थानी बजरंग ढाबे का ले रखा है संरक्षण।

राजस्थानी बजरंग ढाके पीछे ही युसूफ के अवैध डीजल से भरे टेंकर पड़े रहते है।

माही की गूंज टीम, झाबुआ।

झाबुआ जिला वैसे तो कई तरह के भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का गढ़ माना जाता है। शासकीय योजनाओं की कागजी खानापुर्ति हो या विकास कार्य जो कागजों पर तो होते है पर जमीन स्तर से गायब ही नजर आते है। जिलें में ऐसी एक नहीं अपितु सैकड़ों भ्रष्टाचार की कहानियां आए दिन अखबारों के पन्नों पर छपती रहती है। कई तरह के भ्रष्टाचार उजागर हो जाते, तो कई तरह के भ्रष्टाचार दबा दिए जाते है। ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर बनी सड़कें गायब है, तो कई योजनाएं ऐसी है जिसका लाभ ग्रामीणों को कागजों पर मिल चुका है, लेकिन असल स्थिति अब भी ''ढाक के तीन पात'' ही है। अब तक देखा यह गया है कि, प्रशासनिक कार्यों में होने वाले इस भ्रष्टाचार में शासकीय कर्मचारियों व अधिकारियों की अहम भूमिका रहती है। राजनीतिक के साथ उच्चाधिकारियों की शह पर तहसीलदार व पटवारी से लेकर ग्राम सचिव तक भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे नजर आते है। इनकी अपनी सेटलमेंट की एक अलग ही खूबी है, जो हर तरह के भ्रष्टाचार को दबाने व सेटिंग करने में काम आती है। सेटलमेंट की यह खूबी इतनी कारगर है कि, हितग्राहियों, पत्रकारों और आलाधिकारियों को सेट कर सभी तक अपना-अपना हिस्सा पहुंचा देती। मतलब सीधा सा है कि ''सांप भी मर जाता और लाठी भी नहीं टूटती''। यह तो हुई प्रशासनिक अमले के अंदर शासकीय योजनाओं में भ्रष्टाचार की सेटलमेंट की बात, लेकिन सेटलमेंट और सेटिंग की यह खूबी अब सरकारी तंत्र से बाहर निकलकर माफियाओं की गोद में जा बैठी है। जिले में हो रहे अवैध धंधों व कालाबाजारी को भी इस खूबी का खासा फायदा मिल रहा है। रेत माफिया हो, शराब माफिया हो या अवैध व नकली डीजल माफिया, तंत्र की सेटलमेंट वाली खूबी का फायदा उठाकर, भ्रष्टाचारियों की भेंट पूजा कर खूब अवैध धंधों की गंगा में गोते लगा रहे है।

माही की गूंज अपने पिछले तीन अंकों से लगातार अवैध और नकली डीजल माफियाओं के खिलाफ मुहिम चलाए हुए हैं। हम पिछले अंकों में माफियाओं की करस्तानी, प्रशासन की संदेहास्पद स्थिति और नियम क्या कहते है का खुलासा कर चुके है, माफियाओं की अवैध अंकुत कमाई का हिस्सा प्राप्त करने वाला प्रशासन कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। माही की गूंज की इस मुहिम से माफियाओं से ज्यादा खलबली प्रशासन के भ्रष्ट तंत्र में मची हुई है। समाचार प्रकाशन के बाद माफियाओं को सचेत भी यही भ्रष्ट तंत्र करता आ रहा है और अवैध डीजल माफिया अपने ठीकानें या तो बदल रहे है या अपने अवैध धंधे को रात में अंजाम दे रहे है। अब भी इन माफियाओं व भ्रष्ट तंत्र का यह खेल बदस्तूर जारी है। डीजल माफिया नित नए ठिकानें बनाकर अपने अवैध धंधों का जाल बिछाते जा रहे है। प्रशासन अपना हिस्सा लेकर इन माफियाओं के आगे पुरी तरह से नतमस्तक होता नजर आ रहा है।

ऑन रिकार्ड प्रशासन की अब तक कोई कार्रवाई नहीं

अन्य जिलों के मुकाबले झाबुआ जिला इन अवैध डीजल माफियाओं के लिए संरक्षित और सुरक्षित जगह बनता जा रहा है। अन्य जिलों में इन माफियाओं पर कड़ी नजर रखी जा रही है और इनके काले धंधों पर धड़ल्ले से कार्रवाई भी हो रही है। इसके उलट जिले में इन माफियाओं को जबरदस्त संरक्षण प्राप्त हो रहा है। इसमें प्रशासन की संलिप्तता भी जग जाहिर हो रही है। पिछले कई महीनों से इन माफियाओं की हल-चल जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राज-मार्ग व राज-मार्गों के आसपास बहुत अधिक बढ़ गई है। मगर ऑन रिकार्ड प्रशासन अब तक कोई कार्रवाई नहीं कर पाया है। कहीं कार्रवाई हो भी जाती तो अपनी संदेहास्पद स्थिति को छुपाने के लिए प्रशासन इसे उजागर नहीं करता।

कार्रवाई की नौटंकी के बाद फिर शुरू हो जाते अवैध डीजल के अड्डे

प्रशासन की इस संदेहास्पद स्थिति का प्रमाण यह है कि सितम्बर माह के पहले पखवाड़े में पिटोल स्थित सागर होटल पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एक टेंकर अवैध डीजल जप्त किया था। जप्ती की इस कार्रवाई में आगे क्या हुआ किसी को कुछ पता नहीं। उक्त मामले में पिटोल पुलिस ने तहसीलदार के साथ मौके पर कार्रवाई करने की पुष्टि की थी पर पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि खाद्य अधिकारी को जांच का जिम्मा सौंपा है। परन्तु पुलिस में किसी प्रकार की कोई रिर्पोट विभाग कि ओर से दर्ज नहीं करवाई गई। वहीं कार्रवाई के दूसरे दिन से ही रात के अंधेरे में इसी सागर होटल के समीप फिर से यह अवैध कारोबार शुरू हो गया। वर्तमान स्थिति में सागर होटल के समीप अब भी होटल संचालक अज्जू के संरक्षण में दिन के उजाले में अवैध डीजल के इस गौरखधंधे को अंजाम दिया जा रहा है। इसी तरह सितम्बर के ही दूसरे पखवाड़े में ग्राम अंतरवेलिया स्थित जयदीप बायोफ्यूल के नाम से संचालित अवैध डीजल के अड्डे पर भी प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए पंप को सील कर दिया गया था, लेकिन कार्रवाई के दूसरे दिन फिर से यहां अवैध डीजल की सप्लाई शुरू हो गई। अंतरवेलिया स्थित इस अवैध डीजल पंप पर कई मर्तबा कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन यहां हुई कार्रवाई भी प्रशासन द्वारा उजागर नहीं की गई।

प्रशासनिक कार्रवाई की खबर पहले पहुंचती माफियाओं को

माही की गूंज के पिछले अंक के प्रकाशन के बाद प्रशासन हरकत में आया और शुक्रवार को नौटंकी करने हेतु प्रशासन का अमला पिटोल स्थित सागर होटल की तरफ रवाना हुआ। अमले के पास खबर तो पक्की थी, अमले के रवाना होते ही अमले में शामिल अज्जू के प्रशासनिक गुर्गों ने उसे पहले ही खबर कर दे दी कि, टीम रवाना हो चुकी है। टीम पिटोल स्थित अज्जू के सागर होटल ठीकाने तक पहुंचती उसके पहले ही अज्जू ने अपने टीन-टप्पर उठा लिए और कार्रवाई करने निकली टीम नौटंकी करते हुए बेरंग ही खाली हाथ लौट आई। प्रशासनिक टीम के औपचारिक दौरे के बाद अज्जू ने अपनी प्रशासनिक गठजोड़ के साथ अपना संरक्षण देते हुए माफियाओं का धंधा फिर से शुरू करवा दिया। यह सारा घटनाक्रम प्रशासन की संदेहास्पद स्थिति की तरफ इशारा ही नहीं करता, बल्कि उसे उजागर भी करता है। सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि, प्रशासन जब भी कार्रवाई करता अमले में कोई भी जिला अधिकारी शामिल नहीं होता। कार्रवाई करने वाली टीम में तहसीलदार, पटवारी, थाना प्रभारी और उनके सहयोगी मात्र ही होते है। जिला प्रशासन अधिनस्तों पर निर्देशों का टोपला उंडेलकर कन्नी काट लेता है, जिसे क्या कहा जाए...? जनता सब जानती है।

नहीं मिल सकती एनओसी

बायोडीजल के नाम पर जिले में अब तक जितने भी अवैध डीजल के पंप संचालित हो रहे है, उनके संचालक जिले से जारी होने वाली एनओसी के लिए हर स्तर के पापड़ बेल रहे है। मगर जिले में एक भी एनओसी जारी होती है तो पूरा का पूरा प्रशासनिक अमला कटघरे में खड़ा हो जाएगा। कारण यह है कि, जिस बायोडीजल के नाम से यह लोग एनओसी मांग रहे है, देश भर में उसका उत्पादन बहुत कम है। हम अपने पिछले अंक में उत्पादन की स्थिति से भी अपने पाठकों को अवगत करा चुके है। अब अगर प्रशासन बायोडिजल के नाम पर एनओसी जारी करता है तो अवैध डीजल के इन अड्डों से होने वाली खपत प्रश्नचिन्ह खड़े कर देगी। क्योंकि जिले की सीमाओं में खपने वाला अवैध डीजल बायोडीजल नहीं है और एक-एक माफिया प्रतिदिन हजारों लीटर अवैध डीजल खपा रहे है। इसलिए ढपली का राग यह है कि मांग भरी रहने दो, मुंह में चांदी के चम्मच रहने दो और जैसा चल रहा है चलने दो...।

युसूफ ने भरी मांग और मुंह में दिए चांदी के चम्मच

इन्ही माफियाओं में एक बड़ा नाम है 'युसूफ', जो दाहोद का रहने वाला है और गुजरात में सख्ती के चलते वह अपना अवैध डीजल का काला कारोबार लेकर मध्यप्रदेश की सीमा में घुस आया हैं। बताया जाता है कि, युसूफ पहले रेत माफिया था और गुजरात में बड़े स्तर पर रायल्टी चोरी कर रेत का भंडारण और विक्रय करता रहा है। रेत माफिया होने के कारण प्रशासन व उसके अधिकारियों से सेटिंग के गुर युसूफ में कूट-कूट कर भरे हुए है। जिले में अपना अवैध कारोबार लेकर आए युसूफ ने पिटोल को छोड़कर देवझिरी को अपना ठिकाना बनाया और नेशनल हाईवे स्थित एक ढाबे के समीप खुली पड़ी जमीन पर टेंकरों से सीधे मशीन लगाकर अपना कारोबार शुरू किया। जमीन मालिक और ढाबा संचालक को युसूफ 30 हजार रुपये महीना देता था। इसके बदले में ढाबा संचालक उसका संरक्षक बना हुआ था। यहां युसूफ का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा था। बड़े प्रयासों के बाद युसूफ ने अधिकारियों से भी सेटिंग जमा ली थी। युसूफ ने तहसील स्तरीय अधिकारियों के मुंह में चांदी के चम्मच रखे और जिले के अधिकारियों की भी मांग भरी। मगर उसे क्या पता था कि, इतनी सेटिंग के बावजूद उसे पत्रकारों का सामना करना पड़ेगा। एक पत्रकार ने युसूफ के चल रहे अवैध धंधे की वीडियो की और सीधे जिले के आला अधिकारी के सामने पहुंच कर वीडियो दिखाकर मौखिक शिकायत की। अब स्थिति ऐसी बनी कि मुंह में रखे चांदी के चम्मच और भरी हुई मांग की इज्जत दाव पर आ गई। मांग भरे साहब ने जैसे-तैसे पत्रकार को रवाना किया और मुंह में चांदी का चम्मच लिए अपने अधिनस्त को निर्देशित किया सेटलमेंट के लिए। मुंह में चांदी का चम्मच रखे अधिकारी ने युसूफ से संपर्क किया और जगह बदलने को मजबूर कर दिया। मगर मांग भरने और मुंह में चांदी का चम्मच देने की प्रक्रिया जारी रही। युसूफ ने अपने अवैध डीजल के धंधे के लिए बायोडिजल पंप की एनओसी जिला अधिकारी से लेने के लिए भी बहुत जोर लगाया। देवझिरी से अपना ठीकाना बदलते हुए युसूफ ने अब पिटोल में किसी राजस्थानी बजरंग ढाबे के पीछे ढाबे के संचालक को अपना संरक्षक बनाकर डीजल का काला कारोबार शुरू कर दिया। यहां युसूफ दिन दोगुनी और रात चोगुनी तरक्की करने लगा।

भाजपा का स्वच्छता अभियान सिर्फ दिखावा

हाथ मे झाड़ू और कचरा उठा कर फोटो खिंचवा रहे है नेता, भाजपा के ग्रुप और सोशल मीडिया पर फोटो डाल कर लूट रहे वाहवाही

सफाई अभियान वास्तविकता में वहां चलाया जाना था जहां लोग गंदगी से त्रस्त है

माही की गूंज पेटलावद, राकेश गेहलोत

2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन भाजपा ने हर मण्डल स्तर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर जगह-जगह स्वच्छता अभियान चलाया जो कि भाजपा नेताओं का फ़ोटो शेसन प्रोग्राम से ज्यादा कुछ नही था। पूरा अभियान दिखावा मात्र बन कर रह गया और सफाई का पूरे अभियान से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नही था, हाथ मे झाड़ू और कचरे की बाल्टी पकड़ कर फ़ोटो खिंचवाकर कार्य की इतिश्री कर ली।

पेटलावद मुख्य चौराहे पर गंदगी का आलम, सड़न और बदबू से परेशान

पेटलावद विकास खण्ड के सभी छोड़े-बड़े गांव में गंदगी का साम्राज्य लगा हुआ है, लेकिन स्वच्छता अभियान में नेताओ ने इस और कोई ध्यान नही दिया। पेटलावद नगर के मुख्य चोराहे पर स्थित बस स्टेण्ड के पास इस कदर गंदगी फैली हुई है कि, यहां आम लोगो का खड़ा भी रह पाना दुश्वार है, बसों द्वारा आने-जाने वाली सवारीयो के लिए रुकना तक मुश्किल हो गया है। रहवासी कई बार नगर परिषद को सफाई के लिए अवगत करवा चुके है लेकिन आज तक सफाई नही हुई। रहवासी मुकेश सिसोदिया ने बताया कि, नगर परिषद सहित अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को गंदगी के फोटो भेज कर शिकायत कर चुका हूं लेकिन कोई सफाई नही की गई, जिससे यहां मच्छरों का भारी जमावडा हो गया है और बीमारिया फैल रही है, स्वच्छता अभियान को लेकर दावे खोखले साबित हो रहे है।

बामनिया में मंडल अध्यक्ष खुद फैला रहा गंदगी

यहा तो स्थिति और भी गंभीर है यहां बामनिया-पेटलावद मार्ग पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष का ही दुपहिया वाहन का शोरूम है। यहां से निकलने वाली गंदगी और प्लास्टिक रोड के किनारे पर फेंकी जा रही है, मार्ग से गुजरते यहां प्लास्टिक के ढेर ओर उससे निकलने वाली भयंकर बदबू को महसूस किया जा सकता है। पूर्व में गूंज द्वारा खबर प्रकाशित कर इस और ध्यान आकर्षित किया गया था, न प्रशासन ने ओर न ही पंचायत ने इसकी कोई सूद ली, उल्टा मंडल अध्यक्ष ने देश के प्रधानमंत्री के स्वस्छता अभियान को ठेंगा दिखाते हुए पहले से अधिक कचरा फैलाना शुरू कर दिया।

जमीनी हकीकत बेहत खराब हर जगह नाली साफ नही होने से कीचड़ में हुई तब्दील

ग्राम रायपुरिया में ग्राम पंचायत की लापरवाही की वजह से नगर में बीमारियां फैलने का ख़तरा मंडरा रहा है। वर्तमान में डेंगू ,मलेरिया जैसी गभीर बीमारियों का प्रकोप चारो ओर फैला हुआ है, भाजपा की और से चले सफाई अभियान पर नेताओ की नजर नही गई, जहा कपड़े गंदे नही हो वहां खड़े रह कर सफाई के फोटो खिंचवा लिए। नगर के वार्ड नम्बर 7 और 8 छावनी बाज़र की स्थिति देख कर पता चलता है यहां सफाई को लेकर भाजपा नेता कितने सजग है। वार्डो में बनी नालियां सफाई के अभाव में पूरी तरह से भर गई और पूरी गंदगी रोड पर हो रही है जिससे वार्डवासियों का रहना मुश्किल हो गया। सबसे बड़ी बात 2 अक्टुबर को जब सफाई नही हुई तो वार्ड के मुकेश पाटीदार ने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर करना पड़ी जहा से अब तक निराकरण नहीं हुआ है।

करवड़ में जानवर प्लास्टिक खाने पर मजबूर , फसल को हो रहा नुकसान

भाजपा के स्वच्छता अभियान को समझे तो वर्तमान में स्थति ये है कि, अपना कचरा उठा दुसरो के घर फेंको योजना हो गई है। करवड़ पंचायत द्वारा गांव का कचरा केसरपुरा रोड पर फेंका जा रहा है कचरे के ढेर से कुछ दूरी पर अशोक वाटिका एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना मे रोड बना है। कचरा उड़-उड़ कर लोगों के खेतों में, प्लास्टिक की पत्नी से किसानो की टमाटर-मिर्च की खेती प्रभावित हो रही है और दिन भर यहां पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है जो कचरे में पड़ा प्लास्टिक खाकर मौत के मुह में जा रही है। नगर में बने शौचालय सहित कई स्थानों पर कचरे के ढेर पड़े हुए है जो स्वच्छता अभियान के दिन नेताओ को दिखाये नही दिए।

बामनिया

पेटलावाद

रायपुरिया

अन्य छोटी-बड़ी पंचायतों की हालत खराब

पूरे विकास खण्ड में स्वस्छता अभियान का माखौल उड़ा हुआ है। सरकार लाखों रुपये सफाई अभियान पर बर्बाद कर रही है तो नेता दिखावे के फोटो खिंचा कर सरकार को ही गुमहार कर रहे है। विकास खण्ड में बड़ी पंचायतो में झकनावदा, सारंगी सहित छोटी-छोटी पंचायतों में सफाई अभियान को लेकर वो जागरूकता अभी तक नहीं है जो होना चाहिए थी, ऐसे में भाजपा नेताओं को स्वच्छता अभियान के नाम पर फोटो खिंचवाने की जगह ग्राम पंचायत और सफाई कर्मियों को प्रेरित कर उचित स्थान पर खड़े हो कर साफ-सफाई करवानी चाहिए और हो सके तो सफाई अभियान में जुड़ना चाहिए जिससे नगर में सफाई को लेकर कभी भी कही से भी खड़े हो कर फोटो खिंचवाया जा सके।

ग्राम पंचायत भवन के नीचे पल रहा डेंगू यहां दिया तले अंधेरा

झकनावदा के मुख्य चोराहे पर पड़ी गंदगी मीडिया और जागरूक नागरिकों की शिकायत के बाद बड़ी मुश्किल से हटाई जा स क ी , लेकिन वहां धीरे-धीरे फिर से कचरा जमा हो गया। यहां दीया तले अंधेरा वाली कहावत चरितार्थ हो रही है, ग्राम पंचायत के नीचे बने तल घर मे गंदगी का अंबार है, जहा डेंगू के मच्छरो का जमावड़ा लगा हुआ है, ग्राम पंचायत को इतनी फुर्सत भी नही यहां की सफाई करवा सके, विगत 12 माह से इस स्थान की यही हालत है जिसमे कोई सुधार नही हो सका।

करवड़

ऐसे फोटो शेसन में लगे रहते है नेता पर वास्तविकता से बहुत दूर है।

झकनावदा

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422